केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

कभी कभी जिंदगी बस इतना चाहती है कि हम एक बार फिर हिम्मत करें क्या पता यही एक कोशिश हमारी तकदीर का रुख बदल दे।

न्यूज ब्रीफ

भारत में कभी नहीं होगी तेल-गैस की कमी, कई देशों के साथ मिलकर बनाया सॉलिड प्लान

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत अपनी ऊर्जा क्षमता को मजबूत करने के लिए लगातार कदम बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई देशों से संपर्क किया। राज्यसभा में सरकार के बयान के अनुसार, भारत ने अपने एनर्जी इंपोर्ट (ऊर्जा आयात) के दायरे को काफी बढ़ा दिया है। अब भारत 15 देशों से लिक्विफाइड नेचुरल गैस मंगा रहा है, जबकि पहले यह संख्या छह थी। इसी तरह, कच्चे तेल के लिए भी अब 41 देशों से सप्लाई ली जा रही है, जबकि पहले यह संख्या 27 थी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भूराजनीतिक तनाव और अहम समुद्री रास्तों पर रुकावटों की वजह से एनर्जी सप्लाई पर चिंता भी ई हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि इस बड़े सोर्सिंग नेटवर्क का मकसद किसी एक मार्केट या शिपिंग रूट में रुकावट से भारत पर पड़ने वाले असर को कम करना था। ANI की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने एक लिखित जवाब में बताया कि, इस डायवर्सिफिकेशन से किसी खास देश, इलाके या ट्रांजिट रूट पर निर्भरता कम हो है और सप्लाई में रुकावट और मार्केट में उतार-चढ़ाव को संभालने की भारत की क्षमता बढ़ी है। LNG सप्लायर बेस का विस्तार इस बात का संकेत है कि भारत अपनी एनर्जी खरीद को और अधिक मार्केट तक फैलाने की कोशिश कर रहा है। कच्चे तेल की सोर्सिंग को 41 देशों तक बढ़ाने की जानकारी पहले ही दी जा चुकी थी, जब भारत ने मिडिल ईस्ट से होने वाली एनर्जी शिपमेंट के जोखिमों का सामना किया था। मंत्रालय ने कहा कि वह पब्लिक सेक्टर की तेल और गैस कंपनियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर एनर्जी सप्लाई में संभावित खतरों पर नजर रख रहा है और ग्लोबल सप्लाई की स्थितियों पर नजर रखा रहा है।

असम-अरुणाचल सीमा पर अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग, 8 ग्रामीण घायल

गुवाहटी/ जीएनएस। असम-अरुणाचल सीमा पर स्थित धेमाजी जिले के मिंगमांग बदती इंटर-स्टेट बॉर्डर पर अरुणाचल प्रदेश के अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में 8 असमी गांववाले घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर है। इस घटनाक्रम से दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई। उन्होंने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम में जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद का नतीजा था। बाद में यह टकराव बढ़कर फायरिंग में बदल गया। अधिकारी ने बताया कि बॉर्डर पार से आए बदमाशों ने असम के लोगों को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों की पहचान दुर्गेश्वर पातिर, रोहित डोले, नागराज डोले, बिगेश्वर पातिर, पामे पेगु, संजय तयुंग, उत्पल डोले और जान डोले के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को गोगामुख रूरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, और बाद में उनमें से सात को गंभीर हालत में धेमाजी सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव बातचीत कर रहे हैं और पुलिस महानिदेशक भी तनाव कम करने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम पुलिस की मदद मौके पर पहुंच गई है। हमें स्थिति को शांत करने की जरूरत है। साथ ही, मैंने असम पुलिस को निर्देश दिया है कि किसी भी हालत में असम को अपनी एक इंच भी जमीन नहीं गंवानी चाहिए।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की ग्लोबल मार्केटिंग के करेंगे समस्त प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश के बुनकर, शिल्पकार और कलाकारों की समृद्धि के लिए सदैव तत्पर सरकार

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन उद्योगों से जुड़े भारत के सभी बुनकरों, शिल्पकारों, मूर्तिकारों और अन्य कलाकारों के परिश्रम को पूरा सम्मान दिलाने का संकल्प लिया है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिये सभी परिश्रमी किसानों, हुनरमंद बुनकरों, समर्पित शिल्पियों और बेहतरीन ग्रामीण कलाकारों को सम्मानित करने के लिये हरसंभव प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई कलाकार हुए हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को विश्व पटल पर सुशोभित किया है। हमारी सरकार सभी कलाकारों की समृद्धि के लिए सदैव तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल का महामंत्र दिया है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री के इसी महामंत्र के अनुसार ठोस कदम उठा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में हाथकरघा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित बुनकरों एवं शिल्पियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की हाथकरघा और हस्तशिल्प परम्परा को समृद्ध करने वाले प्रदेश के 15 श्रेष्ठ शिल्पियों और बुनकर को विभिन्न पुरस्कार श्रेणी में सम्मानित कर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर इस बुनकर-शिल्पी सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने बुनकर-हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं मिट्टी से शिवलिंग (पिंडी) भी बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा तैयार किए गए 2 वेब कॉमर्स पोर्टल - मृगनयनी और ओडीओपी मार्ट एमपी नामक ई-कॉमर्स पोर्टल्स का शुभारंभ किया।

विभागीय पोर्टल को देश में प्रथम स्थान मिलना उल्लेखनीय उपलब्धि- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी बुनकरों, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग से जुड़े कलाकारों और विशेष तौर पर ओडीओपी उत्पादों को ग्लोबल मार्केट से जोड़ने के लिए 2 ई-कॉमर्स वेब पोर्टल्स की शुरुआत की गई है। इसी पोर्टल को देश में पहला पुरस्कार मिला है। यह राज्य सरकार और कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि है। ई-कॉमर्स पोर्टल से मृगनयनी इंपोरियम के प्रोडक्ट्स की डिलीवरी देश के 16 हजार से अधिक स्थानों पर सुनिश्चित हो रही है। पहले चरण में मृगनयनी पोर्टल पर 460 से अधिक उत्पाद पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंदेरी का कुर्ता, महेश्वर की साड़ी, बाग की शॉल और जरी का बैग सभी वस्तुएं प्रदेशवासियों को गौरव का अनुभव कराती हैं।

युवा पीढ़ी को भी लुभा रहे हैं कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पाद- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों के अथक परिश्रम से उपजे से बुनकर कपड़ा, बुटिक और खादी तैयार करते हैं। खादी मध्यप्रदेश की विशेष पहचान रही है। मध्यप्रदेश आज सभी क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन हाथकरघा और शिल्पकला को प्रोत्साहन पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है। वे अपने खून-पसीने और अथक परिश्रम से समृद्ध परंपरा और कला को संरक्षित करते हुए आगे कर रहे हैं। शिल्पकार और कलाकारों के हाथों में चमत्कारिक प्रतिभा होती है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर ने लगभग 250 वर्ष पूर्व महेश्वरी साड़ी के माध्यम से देशभर के बुनकरों को संरक्षण प्रदान किया। चंदेरी, इंदौर और उज्जैन प्रत्येक शहर में बुनकर और शिल्प कलाकारों को अनेक अवसर मिल रहे हैं। वर्तमान युवा पीढ़ी भी अब कुटीर एवं ग्रामोद्योग के उत्पादों को अपना रही है।

भारत ने जारी किया अरुणाचल प्रदेश का नया मानचित्र, चीन के अवैध कब्जे वाली जगहों को भी किया गया अंकित

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश के आधिकारिक सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शे को अपडेट किया है। अपडेटेड नक्शे में चीन की सीमा से जुड़े रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दर्रे, झीलें, बस्तियां और 1962 के भारत-चीन युद्ध से जुड़े एक युद्ध स्मारक को शामिल किया गया है।

दरअसल, भारत द्वारा नक्शे में यह बदलाव ऐसे समय में किया गया है, जब चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश को जंगनान या दक्षिण तिब्बत बताकर वहां के कई स्थानों के नाम बदलने की कोशिश करता रहा है।

27 महत्वपूर्ण स्थानों को किया गया चिन्हित- अरुणाचल प्रदेश के आधिकारिक सर्वे ऑफ इंडिया के मैप को अपडेट करते हुए चीन की सीमा से जुड़े 27 महत्वपूर्ण स्थानों को भारतीय नामों के साथ चिन्हित किया गया है।

भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश में मैकमोहन रेखा से सटे कई विवादित और संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों को आधिकारिक सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शों में शामिल करने से भारत-चीन सीमा पर कई रणनीतिक दबाव बिंदु सामने आए हैं। इनमें एक ऐसा पहाड़ी इलाका भी शामिल है, जहां 1962 के युद्ध से पहले भारतीय सेना की एक अग्रिम चौकी हुआ करती थी।

जिस युद्ध स्मारक को मैप में भारतीय नामों के साथ दर्शाया गया है, वह क्षेत्र रणनीतिक रूप से बेहद खास है, क्योंकि 1962 के युद्ध से पहले भारत ने यहां माजा कैंप नाम से अपनी एक अग्रिम चौकी स्थापित की थी। युद्ध के बाद इसे खाली कर दिया गया और यह क्षेत्र विवादित हो गया। नवीनतम रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी सेना ने अब इस पहाड़ी इलाके में निर्माण कार्य कर लिया है।

अपडेट किए गए नक्शे में चार पहाड़ी दर्रे द्जो ला, रिजा ला, पुकुर ला और थग ला. थग ला खास को शामिल किया गया है। इसके अलावा सांबो सरोवर को भी भारतीय नाम के साथ नक्शे में दर्ज किया गया है। थग ला दर्रा वह जगह है, जहां 1962 के भारत-चीन युद्ध के शुरुआती चरण में लड़ाई हुई थी।

बाकी 21 स्थानों में लॉन्गजू, माजा, बीसा, बड़ा कुंदुन, छोटा कुंदुन, धन बारी, प्रीतनगर, बुद्धमंदिर, जयरामपुर, तेरीतनगर, रामनगर, जसवंत गढ़, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा रोपुक, बड़ा रोपुक, शिवाजी नगर, सुनपुरा और कामलंग नगर शामिल हैं। इसके अलावा शेर-ए-थापा मेमोरियल भी जोड़ा गया है। गौरतलब है कि एक दशक पहले रक्षा आकलन में अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे छह विवादित और चार संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की गई थी, और चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया था।

पहली बार लाल किले की प्राचीर से गाया जाएगा वंदे मातरम

नई दिल्ली/ जीएनएस। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इस समारोह की अगुवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह मौका वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का भी प्रतीक होगा। पीएम मोदी दिल्ली के इस ऐतिहासिक स्मारक से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे। बयान में कहा गया, पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा।

इस साल का समारोह युवा शक्ति पर केंद्रित होगा, जिसमें 2047 तक विकसित भारत बनने की देश की यात्रा में भारत की युवा आबादी के योगदान को उजागर किया जाएगा। संसद ने हाल ही में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक पारित किया है। इसके तहत वंदे मातरम को अपमानजनक कृत्यों के कानूनी सुरक्षा दी गई है और राष्ट्रीय गीत को राष्ट्रगान के समान कानूनी दर्जा दिया गया है। इस कानून को लेकर लोकसभा में थोड़ी देर के लिए राजनीतिक बहस भी हुई। डीएमके ने इसका विरोध किया और सरकार पर राष्ट्रीय गीत का इस्तेमाल देश को बांटने के लिए करने का आरोप लगाया।

पश्चिम एशिया का NATO बना मक्का संधि, चीन के समीकरण बिगड़े, भारत पर कितना असर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। 7 अगस्त को मक्का में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्कीए ने अपने नए आपसी डिफेंस एग्रीमेंट पर साइन किया है। इस पैक्ट में कहा गया है कि तीनों देशों में से किसी एक पर हथियारों से हमला, उन सभी पर हमला माना जाएगा।

भारत के खिलाफ नहीं समझौता- तीनों देशों के बीच हुई इस संधि को नाटो-स्टाइल समझौता कहा जा रहा है। पहली नजर में यह भारत के खिलाफ सीधा समझोता नहीं है। सऊदी अरब के भारत से रिश्ते भी हाल में काफी मजबूत हुई है। लेकिन क्योंकि इसमें पाकिस्तान शामिल है, इसलिए भारत के लिए चिंता की बात कही जा रही है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इसे भारतीय हितों के लिए बहुत नेगेटिव डेवलपमेंट बताया है। उनकी दलील है कि इस पैक्ट से पाकिस्तान को भारत के प्रति और आक्रामक होने का हौसला मिल सकता है।

भले ही सऊदी अरब सीधे भारत-पाकिस्तान जंग में सैन्य मदद न करे, लेकिन पाकिस्तान को खुफिया जानकारी, हथियार, कूटनीतिक और आर्थिक मदद इस समझौते के जरिए मिल सकती है।

छात्रों पर लाठीचार्ज गलत, बातचीत से निकलेगा हल, झारखंड प्रोटेस्ट पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा गड़बड़ी को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को गलत बताया। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे को तुरंत सुलझाना चाहिए। छात्रों पर हुआ लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले छोड़े गए- झारखंड में छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। सोमवार को हजारों छात्र झारखंड विधानसभा का घेराव करने निकले। प्रदर्शनकारी छात्र बैरिकेड्स तोड़कर विधानसभा परिसर की ओर बढ़ रहे थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग करना गलत- X पर राहुल गांधी ने लिखा, झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है, और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।

राहुल गांधी का यह बयान तब आया जब बीजेपी लगातार राहुल गांधी की चुप्पी को लेकर आलोचना कर रही थी। झारखंड में झुरूरू की सरकार है, जो INDIA गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी है।

पीएम मोदी को सदन में आकर चढ़ावा चोरी पर जवाब देना चाहिए, मल्लिकार्जुन खरगे ने बोला हमला

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े दान के गबन और कीमती सामानों के गायब होने के आरोपों पर संसद में जवाब दें।

खरगे ने कहा कि यह मुद्दा सीधे तौर पर लाखों भक्तों की आस्था से जुड़ा है और प्रधानमंत्री को मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली के बारे में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने की ट्रस्ट की नियुक्ति- खरगे- रुद्रपुर में बोलते हुए, खरगे ने कहा कि विपक्ष उन लोगों की ओर से इस मुद्दे को उठा रहा है जिनकी मंदिर और भगवान राम में गहरी आस्था है। उन्होंने कहा कि हम पहले व्यक्ति थे जिन्होंने मंदिर के अंदर से संपत्तियों की चोरी का मुद्दा उठाया, उन केयरटेकरों की नियुक्ति किसने की? हमारे प्रधानमंत्री ने की।

इसका उद्घाटन किसने किया? उन्होंने किया। पूजा किसने शुरू की? उन्होंने की। राम मंदिर पर झंडा किसने फहराया? उन्होंने फहराया। ट्रस्ट के सदस्यों को किसने चुना? उन्होंने चुना। यही कारण है कि हम चाहते हैं कि चूंकि उन्होंने सब कुछ प्रबंधित किया है, इसलिए वह सदन में आएं और जवाब दें।

खरगे ने आरोप लगाया कि मंदिर के अंदर रखे गए आभूषण, सोना, चांदी, नकदी और अन्य कीमती सामान सवालों के घेरे में हैं। उन्होंने सोने की ईंटों और सोने की रामचरितमानस पुस्तक से जुड़े आरोपों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने मंदिर के मामलों के लिए जिम्मेदार ट्रस्ट की संरचना और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इन आरोपों पर प्रधानमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा।

एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट में टर्बुलेंस या सिस्टम फेलियर? जांच में उलझी 137 यात्रियों की सुरक्षा

नई दिल्ली/ जीएनएस। चार अगस्त को फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2379 में सवार 137 यात्रियों के साथ आखिर हवा में क्या हुआ था, इसका सटीक और अंतिम सच क्या है, यह तो विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की अंतिम जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी तरह साफ हो पाएगा।

लेकिन, जब तक इस गंभीर घटना की आधिकारिक जांच जारी है, तब तक कई तरह की बातें और दावे सामने आ रहे हैं। एक तरफ जहां शुरुआती दावों में इसे खराब मौसम का नतीजा यानी इन-फ्लाइट टर्बुलेंस बताया गया।

वहीं तकनीकी रिपोर्टों और सूत्रों के हवाले से ऐसी जानकारियां सामने आ रही हैं जो किसी बड़े सिस्टम फेलियर की ओर इशारा करती हैं। जब तक सच सामने नहीं आता, तब तक उन तमाम पहलुओं और दावों पर गौर करना जरूरी है जो 17 यात्रियों के घायल होने और विमान के अचानक 300 फीट नीचे गिरने के बाद तैर रहे हैं।

हाइड्रोलिक-फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम में गड़बड़ी की बात - सूत्रों का कहना है कि विमान के ऑटोमेटेड पोस्ट-फ्लाइट मेंटेनेंस रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ के करीब ढाई घंटे बाद विमान में हाइड्रोलिक और फ्लाइट-कंट्रोल सिस्टम का क्रमिक फेलियर शुरू हुआ।

एअरबस ए320 नियो में तीन स्वतंत्र हाइड्रोलिक सिस्टम (लाल, नीला और हरा) होते हैं, जो विमान के मुख्य कंट्रोल (ब्रेक, एलेवेटर्स, नोज़-व्हील) को पावर देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, महज एक मिनट के भीतर तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में अलग-अलग और संयुक्त रूप से नौ फाल्ट मैसेज दर्ज हुए।

सूत्रों का कहना है कि इसके तुरंत बाद ऑटोपायलट अपने आप डिस्कनेक्ट हो गया और विमान की नोज ऊपर की ओर उठने लगी, जिससे स्टाल वार्निंग (हवा में लिफ्ट खत्म होने का खतरा) ट्रिगर हो गई। स्थिति को संभालने के लिए पायलट ने मैनुअल कंट्रोल लिया और नोज को नीचे दबाने (नोज डाउन) का प्रयास किया।

इस दौरान विमान अचानक बेहद तेज गति से 300 फीट नीचे आ गिरा, जिससे यात्री सीट से उछलकर छत से जा टकराए। विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, एक ही समय में तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम का प्रभावित होना अत्यंत दुर्लभ है।

तलावली चांदा से महाकाल नगरी तक निकली 20वीं ऐतिहासिक बोल बम कांवड़ यात्रा, हजारों शिवभक्त हुए शामिल

'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंजा मार्ग, मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया यात्रा का शुभारंभ 7 शाही सवारी, धार्मिक झांकियां और ढोल-नगाड़े रहे आकर्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास के पावन अवसर पर तलावली चांदा से उज्जैन स्थित बाबा महाकाल की नगरी तक 20वीं ऐतिहासिक बोल बम कांवड़ यात्रा निकाली गई। श्री कावड़ेश्वर सामाजिक सेवा समिति एवं रितेश पाल मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य यात्रा में हजारों शिवभक्त कंधों पर कांवड़ लेकर शामिल हुए। पूरे यात्रा मार्ग में 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण शिवमय नजर आया।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया यात्रा का शुभारंभ- रविवार सुबह तलावली चांदा स्थित शिव मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। सांवेर विधायक एवं कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कांवड़ यात्रा को रवाना किया। विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का पूजन किया गया, जिसके बाद कांवड़ियों ने पवित्र जल लेकर उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दरबार की ओर प्रस्थान किया।

शाही सवारी और धार्मिक झांकियां बनीं आकर्षण- 20वीं कांवड़ यात्रा में भगवान भोलेनाथ की भव्य शाही सवारी, आकर्षक धार्मिक झांकियां, ढोल-नगाड़े, ताशा पार्टी और डीजे पर गूंजते शिव भजनों ने श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। यात्रा में महिला, पुरुष और बड़ी संख्या में युवा शिवभक्त शामिल हुए।

यात्रा के मार्ग में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों ने कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया।

सेवा शिविरों में कांवड़ियों का हुआ स्वागत- तलावली चांदा से उज्जैन तक यात्रा मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों द्वारा सेवा शिविर लगाए गए। इन शिविरों में कांवड़ियों के लिए पेयजल, जलपान और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। इसके अलावा एंबुलेंस, प्राथमिक चिकित्सा दल और सुरक्षा वालंटियर्स भी तैनात रहे।

यात्रा प्रभारी सुनील परमार एवं जीवन पटेल ने बताया कि श्री कावड़ेश्वर सामाजिक सेवा समिति द्वारा पिछले 20 वर्षों से लगातार कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष 20वीं यात्रा होने के कारण शिवभक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश देना है। यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए और नागरिकों का भी पूरा सहयोग मिला।

11 करोड़ राम नाम लेखन का संकल्प भी हुआ पूरा- कांवड़ यात्रा के साथ 11 करोड़ राम नाम लेखन का लक्ष्य पूरा होने के बाद राम नाम रथ यात्रा भी निकाली गई। राम नाम लेखन अभियान में कैलाश चौहान, जितेंद्र सिंह डोडिया, महेश मंत्री सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

आयोजकों के अनुसार उज्जैन पहुंचने के बाद हजारों कांवड़ियों द्वारा बाबा महाकाल का जलाभिषेक किया जाएगा और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की जाएगी।

संत-महात्माओं और जनप्रतिनिधियों की रही मौजूदगी- कांवड़ यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में सांवेर क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट शामिल हुए। इसके साथ ही महामंडलेश्वर 1008 नरसिंहदास महाराज, 1008 दादू महाराज, त्रिनेत्र गौरव महाराज, रितेश पाल, पप्पू शर्मा, चंद्रशेखर पाराशर (चुनूं गुरु), सुनील परमार, राजेश पांडे, बबलू यादव, रोहित शर्मा, संदीप शर्मा, पार्षद राकेश सोलंकी, मुकेश यादव, अजय सिंह पंवार, व्यास जी, श्रीकृष्ण मालवीय, संतोष पाल, राहुल पाल, एडवोकेट राकेश पाल, आशीष बिरथरे, गणेश तिवारी, प्रियांशु जायसवाल, मोंटी बिरथरे, विक्की बिरथरे और प्रेम सोनी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, समिति पदाधिकारी, युवा और धर्मप्रेमी नागरिक मौजूद रहे।

20 वर्षों से जारी यह कांवड़ यात्रा अब क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रमुख आयोजन बन चुकी है। हजारों शिवभक्तों के साथ बाबा महाकाल की नगरी की ओर बढ़ती इस यात्रा ने एक बार फिर श्रावण मास में इंदौर से उज्जैन तक भक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल बना दिया।

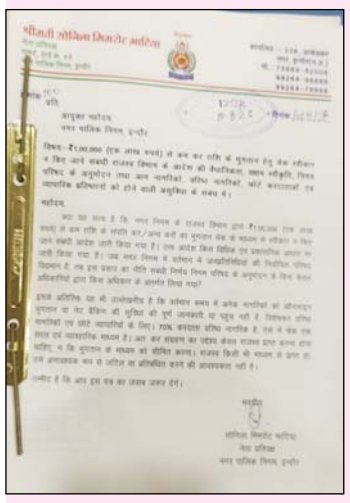

एक लाख से कम टैक्स राशि के चेक पर प्रतिबंध का विरोध, नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने बताया मनमाना फैसला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम के राजस्व विभाग द्वारा एक लाख रुपये से कम की टैक्स राशि चेक के माध्यम से जमा करने पर प्रतिबंध लगाए जाने के फैसले का नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने विरोध किया है। उन्होंने इस निर्णय को मनमाना बताते हुए कहा कि निगम के अधिकारियों की मनमानी पर लगाम लगाना जरूरी है। मिमरोट ने जारी बयान में आरोप लगाया कि नगर निगम के राजस्व विभाग में अधिकारियों द्वारा अपनी सुविधा के अनुसार फैसले लिए जा रहे हैं और उन्हें शहर की जनता पर लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में यह निर्णय लिया गया है कि जिन करदाताओं की टैक्स राशि एक लाख रुपये से कम है, वे चेक के माध्यम से भुगतान नहीं कर सकेंगे और उन्हें नकद राशि जमा करनी होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चेक से भुगतान की व्यवस्था बंद करने का निर्णय अधिकारियों द्वारा अपने स्तर पर लिया जाना उचित नहीं है। नगर निगम में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की परिषद मौजूद है। ऐसे में इस प्रकार का महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाना है तो उसे नगर निगम परिषद के समक्ष रखा जाना चाहिए और जनप्रतिनिधियों की सहमति से निर्णय होना चाहिए। मिमरोट ने कहा कि केवल कुछ चेक बाउंस होने के आधार पर सभी नागरिकों के लिए चेक से भुगतान की सुविधा बंद करना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कुछ मामलों में चेक बाउंस होते हैं तो उसके लिए संबंधित व्यवस्था को बेहतर बनाया जाना चाहिए, न कि सभी करदाताओं के लिए परेशानी खड़ी की जाए। उन्होंने निगम प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर आम जनता पर तरह-तरह की रोक-टोक लगाई जा रही है, जबकि दूसरी ओर निगम में सामने आए कथित घोटालों में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। सोनिला मिमरोट ने नगर निगम प्रशासन से मांग की कि एक लाख रुपये से कम की टैक्स राशि के चेक से भुगतान पर लगाए गए प्रतिबंध के निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए और जनता को भुगतान के लिए सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि नगर निगम जनता की सुविधा के लिए है और अधिकारियों के फैसले जनता की परेशानी बढ़ाने वाले नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करने वाले होने चाहिए।

अगस्त क्रांति में इंदौर का रहा महत्वपूर्ण योगदानः महेंद्र सिंह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाजपा इंदौर द्वारा आयोजित की जाने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा कार्यालय में विभिन्न मोर्चों की तैयारी बैठकें आयोजित की गईं। महिला मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बैठक में शामिल होकर यात्रा को सफल और ऐतिहासिक बनाने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक महेंद्र हार्डिया, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे, यात्रा प्रभारी भारत पारख, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले और महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा सहित पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा कि इंदौर की तिरंगा यात्रा का महत्व केवल राष्ट्रभक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध अगस्त क्रांति और भारत छोड़ो आंदोलन के इतिहास से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि 9 से 13 अगस्त के बीच तिरंगा यात्रा निकालने के पीछे ऐतिहासिक और मनोवैज्ञानिक महत्व है। महेंद्र सिंह ने कहा कि 13 अगस्त का दिन लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की पुण्यतिथि से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने देशभर के धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण और संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने अगस्त क्रांति का उल्लेख करते हुए कहा कि 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की चिंगारी देश के कई हिस्सों में पहुंची और इंदौर भी इस आंदोलन का महत्वपूर्ण केंद्र बना।

इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाईः 103.55 ग्राम MD ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

जब्त MD ड्रग्स की कीमत करीब 10.30 लाख रुपये, बाइक सहित कुल 11.80 लाख रुपये का मशरूका बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इंदौर क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 103.55 ग्राम अवैध स्ब्ब ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जब्त स्ब्ब ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 30 हजार रुपये है। आरोपियों के कब्जे से एक बिना नंबर की होंडा हॉरनेट मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। जब्त किए गए पूरे मशरूके की कुल कीमत करीब 11 लाख 80 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक 9 अगस्त 2026 को क्राइम ब्रांच की टीम गश्त और पतारसी के दौरान सुपर कॉरिडोर स्थित मेट्रो पिलर नंबर 210 के पास सर्विस रोड पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को बिना नंबर की काले रंग की होंडा हॉरनेट मोटरसाइकिल पर एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर आरोपी घबरा गया और भागने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान मोटरसाइकिल फिसलने से वह सड़क पर गिर गया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अयाज हुसैन पिता असलम हुसैन, उम्र 19 वर्ष, निवासी इंदौर बताया। तलाशी के दौरान उसकी पैंट की बायीं जेब से एक पारदर्शी पन्नी में भूरे रंग का दरदरा पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक परीक्षण और तौल करने पर यह पदार्थ 103.55 ग्राम स्ब्ब ड्रग्स पाया गया। आरोपी के पास मादक पदार्थ रखने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस नहीं मिला।

इसके बाद क्राइम ब्रांच थाने में अपराध क्रमांक 116/2026 के तहत धारा 8/22 हृष्ठक्क एक्ट में प्रकरण दर्ज कर आरोपी अयाज हुसैन को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की, जिसमें मिली जानकारी और निशानदेही के आधार पर दूसरे आरोपी शाहनवाज, उम्र 20 वर्ष, निवासी इंदौर को भी गिरफ्तार किया गया।

पुलिस जांच में अयाज हुसैन के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मामला दर्ज होना सामने आया है। वर्ष 2023 में चंदन नगर थाने में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी पूर्व से आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार अयाज हुसैन कक्षा 8 तक शिक्षित है और मजदूरी का काम करता है, जबकि शाहनवाज चूड़ियां बनाने का काम करता है। पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि स्ब्ब ड्रग्स उन्हें कहां से मिली और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के कब्जे से 103.55 ग्राम स्ब्ब ड्रग्स, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 30 हजार रुपये है, और करीब 1 लाख 50 हजार रुपये कीमत की बिना नंबर की काले रंग की होंडा हॉरनेट 125 सीसी मोटरसाइकिल बरामद की है। इस तरह जब्त किए गए कुल मशरूके की कीमत करीब 11 लाख 80 हजार रुपये बताई गई है।

इंदौर पुलिस के मुताबिक अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर अन्य संलिप्त लोगों और अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क की विस्तृत जांच की जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच इंदौर की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य आरोपियों और स्ब्ब ड्रग्स की सप्लाई चेन तक पहुंचने के प्रयास में जुटी है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर महिलाओं ने बनाई आकर्षक रंगोलियां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में हर घर तिरंगा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विकासखंड सांवेर में आजीविका मिशन से जुड़े स्व-सहायता समूहों की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। अभियान के अंतर्गत महिलाओं ने अपने गांवों और आसपास के क्षेत्रों में आकर्षक तिरंगा रंगोलियों का निर्माण कर लोगों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं द्वारा बनाई गई रंगोलियों में तिरंगे के रंगों के साथ देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र गौरव की भावना को खूबसूरती से उकेरा गया। रंगोलियों के माध्यम से महिलाओं ने ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और इसे सार्थक बनाने का संदेश दिया। आजीविका मिशन की समूह सदस्यों ने कहा कि तिरंगा केवल हमारी आन-बान-शान का प्रतीक ही नहीं, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं द्वारा जागरूकता गतिविधियां भी की जा रही हैं।

स्वतंत्रता दिवस से पहले इंदौर पुलिस ने परखी सुरक्षा व्यवस्था, टीआई मॉल में हुई बम थ्रेट मॉक ड्रिल

लावारिस संदिग्ध वस्तु मिलने पर क्या करें और कैसे सुरक्षित रखें आमजन, पुलिस और बीडीडीएस टीम ने कराया जीवंत अभ्यास

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए इंदौर पुलिस ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नरेट इंदौर द्वारा शहर के महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जा रही है। सोमवार को टीआई मॉल इंदौर में बम थ्रेट मॉक ड्रिल कर पुलिस और मॉल प्रबंधन की आपातकालीन तैयारियों को परखा गया।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी भी आपातकालीन परिस्थिति या लावारिस संदिग्ध वस्तु मिलने की स्थिति में पुलिस, सुरक्षा कर्मियों और संस्थान के कर्मचारियों द्वारा किस तरह समन्वित तरीके से कार्रवाई की जाए, इसका व्यावहारिक अभ्यास कराना था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय आर.के. सिंह तथा पुलिस उपायुक्त आसूचना एवं सुरक्षा अमन सिंह राठौर के मार्गदर्शन में इंदौर पुलिस की बीडीडीएस टीम ने टीआई मॉल में यह अभ्यास किया।

मॉक ड्रिल के दौरान बीडीडीएस प्रभारी खालिद मुश्ताक के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मॉल के सुरक्षा स्टाफ और विभिन्न शोरूम के कर्मचारियों को भी अभ्यास में शामिल किया। टीम ने समझाया कि यदि किसी स्थान पर कोई लावारिस या संदिग्ध वस्तु दिखाई देती है, तो ऐसी स्थिति में किस प्रकार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए।

अभ्यास के दौरान बताया गया कि संदिग्ध वस्तु मिलने पर घबराने के बजाय तत्काल आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया जाए और लोगों को उस वस्तु से दूर रखा जाए। अनावश्यक भीड़ को एकत्रित होने से रोकने और निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार पुलिस तथा विशेषज्ञ टीम को तत्काल सूचना देने पर भी जोर दिया गया।

मॉक ड्रिल में आपातकालीन स्थिति में आमजन को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने, प्रवेश और निकास व्यवस्था को नियंत्रित करने तथा पुलिस, सुरक्षा कर्मियों और मॉल प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भी अभ्यास कराया गया।

पुलिस अधिकारियों और बीडीडीएस टीम ने मॉल प्रबंधन, सुरक्षा कर्मियों, शोरूम कर्मचारियों और आमजन से संवाद करते हुए संदिग्ध वस्तु मिलने पर क्या करें और क्या न करें, इसकी जानकारी भी दी।

इंदौर पुलिस के अनुसार स्वतंत्रता दिवस सहित आगामी महत्वपूर्ण आयोजनों को देखते हुए शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की जा रही है। मॉक ड्रिल के माध्यम से पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में संबंधित विभाग और संस्थान बिना घबराए, तेजी से और निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार कार्रवाई कर सकें।

स्वतंत्रता दिवस से पहले इंदौर पुलिस की यह मॉक ड्रिल शहर की सुरक्षा तैयारियों को परखने और आमजन की सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर होंगे जिला, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य, जिला जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर गरिमा मय कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये गये है। इस संबंध में जारी परिपत्र के अनुसार भोपाल में मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रातः 9 बजे के पूर्व शौर्य स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। तत्पश्चात प्रातः 9 बजे मुख्यमंत्री जी लाल परेड ग्राउण्ड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वजारोहण करेंगे एवं प्रदेश की जनता को संबोधित करेंगे। शौर्य स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण लाल परेड ग्राउण्ड भोपाल में किया जाएगा। पुलिस, एस.ए.एफ., सी.आई.एस.एफ., जेल गार्ड, होम गार्ड, एन.सी.सी. एवं स्काउट गाइड्स की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। संयुक्त परेड द्वारा मुख्यमंत्री जी को गार्ड आफ ऑनर दिया जाएगा। जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9 बजे से किया जाएगा, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष/ मंत्रीगण, कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा एवं परेड की सलामी ली जाएगी। जिसकी जिलेवार सूची सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा पृथक से जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री जी द्वारा संदेश वाचन प्रातः 9-25 से 9-55 बजे तक किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण राज्य स्तरीय मुख्य समारोह, भोपाल से जिला स्तर पर किया जाएगा। तत्पश्चात विधानसभा अध्यक्ष / मंत्रीगण/कलेक्टर द्वारा 05 मिनिट का संक्षिप्त लिखित बधाई संदेश का वाचन किया जाएगा।

इंदौर में 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' की शुरुआत, कानून और साइबर सुरक्षा सीखेंगे विद्यार्थी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों को कानून की जानकारी, सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार नागरिकता का पाठ पढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर में जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। पुलिस मुख्यालय भोपाल और स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय तथा हस्रक्क के तकनीकी सहयोग से संचालित इस पहल के तहत इंदौर के चार चयनित विद्यालयों में पुलिस अधिकारियों द्वारा जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 14 जुलाई 2026 को भोपाल से किया था। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने 10 अगस्त को जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद की शुरुआत की।

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सीमा अलावा के निर्देशन में आयोजित कार्यशालाओं में पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और उन्हें कानून, अधिकार एवं कर्तव्य, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, सोशल मीडिया, यातायात नियम, रोड सेफ्टी और नशे के दुष्प्रभावों सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी।

सांदीपनि महाराजा शिवाजीराव हायर सेकेंडरी स्कूल, चिमनबाग में पुलिस उपायुक्त जोन-03 अभिषेक रंजन ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कानून, बाल सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी।

सफाईमित्रों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी अब नगर निगम की प्राथमिकता, सभी 22 जोन में शुरू हुए 'स्वास्थ्य कियोस्क'

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मेडिकल उपकरण किए वितरित, बीपी-शुगर जांच के साथ सीपीआर का प्रशिक्षण भी दिया गया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके इंदौर नगर निगम ने सफाईमित्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर एक नई पहल शुरू की है। नगर निगम द्वारा ÷सफाईमित्र सुरक्षित शहरङ्कस्वास्थ्य कियोस्क÷ की शुरुआत की गई है। इसके तहत शहर के सभी 22 जोन कार्यालयों में सफाईमित्रों और निगम कर्मचारियों को कार्यस्थल के नजदीक ही नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाईमित्रों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना और जरूरत पड़ने पर उन्हें समय पर प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में सीटी बस ऑफिस में आयोजित कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव की मौजूदगी में नगर निगम के सभी जोन कार्यालयों के लिए संबंधित सीएसआई और जोन कोऑर्डिनेटर्स को बीपी मशीन, ब्लड शुगर जांच मशीन और फर्स्ट एड किट वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान निगम कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार देने के साथ सीपीआर यानी कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन का प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य उपकरणों के सही इस्तेमाल, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच, पोर्टेबल ईसीजी मशीन, पल्स ऑक्सीमीटर के उपयोग और प्राथमिक स्वास्थ्य प्रबंधन से जुड़ी जरूरी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को यह भी बताया गया कि किसी आपात स्थिति में घबराने के बजाय किस तरह तत्काल प्रतिक्रिया दी जाए और जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार तथा सीपीआर कैसे दिया जाए।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि सफाईमित्रों की स्वास्थ्य और सुरक्षा नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सफाईमित्र शहर को स्वच्छ रखने में दिन-रात महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और समय पर उपचार सुनिश्चित करना नगर निगम की जिम्मेदारी है।

जिले में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शिविर और अधिक प्रभावी बनेंगे

कलेक्टर ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले में आगामी शिविरों को और अधिक प्रभावी बनाने की तैयारी की जा रही है। सोमवार को समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य शिविर के पूर्व दिवसों में ही अपनी विभाग संबंधी समस्याएं और शिकायतों का निराकरण पूर्व तैयारी के रूप में कर लिया जाए जिससे कि लक्ष्य शत प्रतिशत हासिल किये जा सके।

कलेक्टर ने बैठक में शासकीय विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रीति संघवी, एसडीएम शुभम पाटीदार तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का जिले में क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी ढंग से आगामी दिनों में किया जाना है। अभियान के अंतर्गत शिविर में दिव्यांगों के कल्याण संबंधी कार्य, जाति प्रमाण पत्र तथा हितग्राहियों को लाभान्वित करने संबंधी कार्य किए जाने हैं। अधिकारी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण का कार्य भी अभियान भ्रमण के दौरान करेंगे। इसके लिए अधिकारी पहले से ही तैयारी रखें और अपनी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को संबंधित क्षेत्र के लिए पूर्व से ही लिस्टेड कर लें। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत उद्यम संवाद के अलावा वे हितग्राही भी उपस्थित रहेंगे जिन्होंने उपलब्धियां अर्जित की हैं। कलेक्टर द्वारा शिविर स्थल पर पर्याप्त संख्या में वालंटियर तैनात करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने विगत समय सीमा बैठक में दिए गए निर्देशों का फॉलो अप भी इस बैठक में लिया। विगत निर्देशों के पालन में अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई से अवगत हुए। इस तारतम्य में जर्जर मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई का फीडबैक लिया, वर्षा ऋतु के दृष्टिगत नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव के संभावित स्थलों की जानकारी प्राप्त की, जलभराव के दौरान वैकल्पिक व्यवस्थाओं के संबंध में नियोजित ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए। नगर पालिकाओं द्वारा की जाने वाली कर वसूली की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर द्वारा सार्थक ऐप पर अटेंडेंस, कोर्ट में अवमानना प्रकरणों की स्थिति, पीएम श्रम योगी मानधन योजना के तहत पंजीयन के संबंध में भी दिशा निर्देश दिए। हर घर तिरंगा अभियान के तहत किए जाने वाले आयोजनों के संबंध में सीईओ जिला पंचायत श्री जैन द्वारा अवगत कराया गया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की कलेक्टर ने की समीक्षा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टर सभागार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों में लापरवाही, अनावश्यक विलंब एवं उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी और जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्लानर सॉफ्टवेयर पर लंबित ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चिन्हित कार्यों को सिपरी पोर्टल पर जियोटैग कराकर अनुमोदित कराने तथा सभी ग्राम पंचायतों में श्रमिक नियोजन सुनिश्चित करने को कहा। सक्रिय श्रमिकों की लंबित ई-केवाईसी भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

'एक बगिया मां के नाम' परियोजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पौधारोपण, पोल एवं फेंसिंग कार्यों की वास्तविक स्थिति प्रस्तुत करने तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं गंगोत्री हरित परियोजना अंतर्गत ग्राम पंचायत लासूर में वृक्षारोपण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने को कहा।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका गतिविधियों के विस्तार पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने नए हितग्राहियों का सर्वे एवं मोबाइल वेरिफिकेशन एक माह में पूर्ण कराने तथा सीसीएल, पीएमएफएमई एवं पीएम मुद्रा योजना में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पशुपालन आधारित ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से स्वीकृत कराने को कहा। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने तथा जिले में एक हजार से अधिक नए स्व-सहायता समूह गठित करने के निर्देश जिला परियोजना प्रबंधक को दिए।

भावगढ़ पुलिस की कार्रवाई, बाइक की पेट्रोल टंकी में छिपाई 3 किलो अफीम जब्त, अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भावगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय अफीम तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटरसाइकिल की पेट्रोल टंकी में गुप्त स्कीम बनाकर 3 किलो अफीम ले जा रहा था। जब्त अफीम की बाजार कीमत लगभग 6 लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल एवं एसडीओपी ग्रामीण कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में भावगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वीरसिंह कटारा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी।

थाना पुलिस के अनुसार गत 8 अगस्त को उपनिरीक्षक सुरेंद्रसिंह सिसौदिया को मुखबिर से सूचना मिली कि एक काले रंग की लाल पट्टे वाली हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक टीएन 37 बीजे 0448 से एक व्यक्ति अफीम लेकर पिपलियामंडी की तरफ से मंदसौर, नयाखेड़ा होते हुए ग्राम नंदावता के रास्ते राजस्थान से गुजरात जा रहा है। सूचना पर ग्राम करजू और करनाखेड़ी के बीच स्थित शिव मंदिर आम रोड पर नाकाबंदी की गई। पुलिस को देखकर संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोका गया। तलाशी में आरोपी श्यामलाल पिता हजारी जाति बंजारा उम्र 42 वर्ष निवासी गुंदा रेल, थाना कनेरा, तहसील निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान के कब्जे वाली बाइक की पेट्रोल टंकी से 3 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना भावगढ़ पर धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है। आरोपी से अफीम के स्रोत के संबंध में पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी वीरसिंह कटारा, उपनिरीक्षक सुरेंद्रसिंह सिसौदिया, प्रधान आरक्षक राजपाल सिंह, आरक्षक शुभम सिंह बुंदेला, आरक्षक भूपेंद्र पाटीदार, प्रधान आरक्षक चालक चंदन ओझा की सराहनीय भूमिका रही।

ग्रामीण युवक-युवतियों के लिए निःशुल्क स्वरोजगार प्रशिक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, नीमच द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न रोजगारमूलक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्यूटी पार्लर, बकरी पालन, सिलाई, डेयरी फार्मिंग, वर्मी कम्पोस्ट एवं कृषि उद्यमिता से संबंधित प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाएगा।

संस्थान द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों में ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण महिलाओं के लिए 13 अगस्त 2026 से 35 दिवस, बकरी पालन प्रशिक्षण 19 अगस्त 2026 से 12 दिवस, डेयरी फार्मिंग, वर्मी कम्पोस्ट एवं कृषि उद्यमिता प्रशिक्षण 18 अगस्त 2026 से 13 दिवस तथा सिलाई प्रशिक्षण महिलाओं के लिए 31 दिवस का होगा।

प्रशिक्षण के लिए पंजीयन प्रारंभ हो चुके हैं। प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। प्रशिक्षण का लाभ केवल नीमच जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियां ले सकेंगे।

प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण अवधि में आवास, भोजन एवं नाश्ते की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। प्रशिक्षण के दौरान स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों के ऋण आवेदन भी प्रशिक्षण केंद्र पर ही भरवाए जाएंगे। बैंकिंग संबंधी जानकारी एवं समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान पशु चिकित्सा, कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य संबंधित विभागों के अनुभवी वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। संबंधित विभागों की ऋण योजनाओं एवं स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान की जाएगी।

इच्छुक प्रशिक्षणार्थी 4 पासपोर्ट साइज फोटो तथा आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड एवं अंकसूची की 3-3 छायाप्रतियां लेकर आवेदन जमा कर सकते हैं।

आवेदन भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, हवाई पट्टी के सामने, विश्राम भवन के पास, चीताखेड़ा मेन रोड, नीमच में जमा किए जा सकते हैं। प्रशिक्षण एवं पंजीयन संबंधी जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक मोबाइल नंबर 9111053516, 9074201015, 9009684125 एवं 7898187819 पर संपर्क कर सकते हैं। ग्रामीण युवक-युवतियों से इन निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई है।

चकसोडीझर एवं बावड़ा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर किया गया आयोजित

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष विभाग के अंतर्गत जिले में ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो स्थानों पर निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में कुल 95 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर थडोद द्वारा ग्राम चकसोडीझर में आयोजित शिविर में मरीजों की बीपी एवं शुगर की जांच की गई। शिविर में आमवात, चर्मरोग, श्वास-कास, अग्निमांद्य, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, विबंध, प्रवाहिका, अर्श, प्रदर, अम्लपित्त एवं शिरशूल सहित विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों का परीक्षण कर उपचार एवं औषधियां प्रदान की गईं। शिविर में 54 रोगी लाभान्वित हुए। इस दौरान चिकित्सक डॉ. आर.पी. वर्मा एवं श्रीमती संजू भदौरिया ने सेवाएं दीं। इसी क्रम में शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय पिपल्या रावजी द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय बावड़ा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों एवं अन्य लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर त्वचा रोग, उदर रोग, नेत्र रोग, श्वास-कास, अम्लपित्त, अग्निमांद्य, विबंध, उदर शूल, अतिसार, संधिवात तथा नाक-कान-गला संबंधी रोगों की जांच एवं उपचार किया गया। कुल 41 लाभार्थियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गईं। शिविरों में ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु में होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव, नशामुक्ति, तनाव प्रबंधन, स्वस्थ दिनचर्या तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। विद्यालय में विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई तथा नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। बावड़ा में आयोजित शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.आबिद खान, कंपाउंडर गोपाल कृष्ण गंधर्व, शाला के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, पंचायत सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार और कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त तक विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को तिरंगे के महत्व और देश के प्रति सम्मान की भावना से जोड़ा जा रहा है।

एनजीओ संचालक राधेश्याम मारू द्वारा जिला अस्पताल में एसडीपी मशीन लगाने की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डेंगू मरीजों में लगातार प्लेटलेट्स की कमी को देखते हुए शासकीय जिला चिकित्सालय मंदसौर में सिंगल डोनर प्लेटलेट (एसडीपी) मशीन लगाने की मांग की गई है। गैर सरकारी संगठन रूरल पब्लिक सर्विसेस (एनजीओ) के डायरेक्टर राधेश्याम मारू ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल तथा उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को सोशल मीडिया ट्वीटर के माध्यम से जनहित में पूर्व में भी यह मांग भेजी,चार वर्ष बाद पुनःमांग है। उन्होंने बताया कि डेंगू सीजन में एसडीपी मशीन की आवश्यकता अधिक होती है। इस मशीन से एक डोनर से बड़ी मात्रा में प्लेटलेट्स प्राप्त किए जा सकते हैं, जिससे गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। मारू ने शासन से मांग की है कि जिला चिकित्सालय मंदसौर में शीघ्र एसडीपी मशीन उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिए जाएं, ताकि प्लेटलेट्स की कमी से जूझ रहे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। राधेश्याम मारू ने कहा कि जिला चिकित्सालय में एसडीपी मशीन उपलब्ध होने से डेंगू सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को समय पर प्लेटलेट्स उपलब्ध कराने में सुविधा होगी तथा जरूरतमंद मरीजों को उपचार के लिए अन्य स्थानों पर निर्भरता कम हो सकेगी। उन्होंने शासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय मंदसौर में एसडीपी मशीन स्थापित करने के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं।

सिंगोली में डेंगू का कहर, दीपक की इलाज के दौरान मौत

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले कुछ दिनों से नगर में मच्छरों के आतंक और बिगड़ी सफाई व्यवस्था के चलते मलेरिया और डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों के मरीजों की बढ़ौतरी शासकीय एवं प्राइवेट चिकित्सालयों में देखने को मिल रही है जिससे नगर परिषद और स्वास्थ्य विभाग के दावों की पोल खुलती दिखाई दे रही है। नगर परिषद द्वारा बरसात में डीडीटी का छिड़काव और मच्छर रोधी दवाओ के छिड़काव के नहीं होने व स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी किसी प्रकार की कोई एडवाइजरी जारी नहीं की गई है जिसकी परिणीति के चलते आज एक नाबालिग को डेंगू होने के कारण अपनी जान गवानी पड़ी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर में इन दिनों डेंगू और मलेरिया के मच्छरों का आतंक फैला हुआ है जिसके कारण हॉस्पिटलों में मरीजों की अच्छी खासी संख्या देखी जा सकती है। इन दिनों में डेंगू के मरीजों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है जिसमें नगर के वार्ड क्रमांक 10 निवासी दीपक जंगम पिता लादूलाल जंगम 26 वर्ष की सोमवार को डेंगू से मौत हो गई।

परिजन कन्हैयालाल जंगम ने बताया कि दीपक की तबियत खराब होने पर उसे स्थानीय निजी चिकित्सालय ले जाया गया था। जहां पर प्लेटलेट्स अधिक कम होने से पर चिकित्सक ने उसे अन्यत्र ले जाने के लिए परिजनों से कहा जिसे डॉक्टर की सलाह पर परिजन उसे कोटा ले गये गया जहां पर जांच में डेंगू पाया गया कोटा में इलाज के दौरान आज दीपक ने दम तोड़ दिया।

अवैध खनिज परिवहन पर कलेक्टर की सख्ती, वाहन मालिक पर 1.06 लाख की शास्ति अधिरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत एक प्रकरण में कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन मालिक पर एक लाख 6 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। कार्रवाई जिला खनिज अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई।

जिला खनिज अधिकारी के अनुसार 31 जुलाई 2026 को तहसील मनासा के ग्राम रामपुरा रोड मनासा में जांच के दौरान डम्पर क्रमांक रुद्ध44व्र1404 से मुरूम का अवैध परिवहन किया जाना पाया गया। प्रकरण में वाहन मालिक शोभाराम पिता दुरगालाल चंदेल, निवासी सावनकुण्ड, तहसील नीमच के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।

प्रकरण में रॉयल्टी की 15 गुना राशि 6 हजार रुपये तथा एक लाख रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल एक लाख 6 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने निर्देश दिए हैं कि अधिरोपित शास्ति राशि निर्धारित अवधि में शासकीय कोष में जमा कराई जाए। शास्ति राशि जमा होने के बाद नियमानुसार जब्त वाहन को मुक्त किया जाएगा। निर्धारित समयावधि में राशि जमा नहीं किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध प्रचलित प्रावधानों के तहत भू-राजस्व की भांति वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

परशुराम महिला मंडल मंदसौर द्वारा पौधारोपण, पौधे लगाकर प्रकृति का कर्ज चुकाना हमारा महत्वपूर्ण दायित्व है- बिन्दु चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हरियाली ईश्वर की अनुपम देन है, हरियाली देखकर मन आनंद से भर जाता है। इसलिए वर्षा काल में इस प्रकृति का ऋण चुकाने का सबसे अच्छा अवसर है कि हम अधिकतम पौधे लगाएं क्योंकि पौधे ही प्रकृति का संतुलन बनाए रखने का एकमात्र शक्तिशाली साधन है। इसी से समस्त प्रकार के मौसम समन्वित और नियंत्रित होते हैं। उक्त विचार व्यक्त करते हुए ब्राह्मण समाज की वरिष्ठ श्रीमती बिंदु चंद्रे ने कहा कि जहां तक बने पृथ्वी पर वृक्षारोपण करना मनुष्य का धर्म है, यद्यपि हम मनुष्य लोग पक्षियों के बराबर वृक्षारोपण नहीं कर सकते किंतु इस वर्षा ऋतु में कुछ पौधे लगाकर हम उनके कार्य में सहयोगी बन सकते हैं। स्थानीय परशुराम महिला मंडल की सभी महिलाएं कला एवं साहित्य के क्षेत्र में बहुत विशेष योग्यता रखती है किंतु प्रकृति प्रेम में उनका सहयोग अत्यंत ही अभिनंदनीय है। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज की वरिष्ठ श्रीमती गीता दुबे, सीमा पाठक, संगीता जोशी, चंद्रकला शर्मा, प्रियंका मोड, अंजना शर्मा, पूनम शर्मा, अंजना मंडलोई, पुष्पलता शर्मा, गंगा कांडपाल, पूजा त्रिवेदी, चंद्रकला शर्मा ममता दुबे एवं अमृत बाला शुक्ला ने अपनी सक्रिय अधिकारी निभाई। आभार प्रदर्शन श्रीमती गीता दुबे द्वारा किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में होंगे व्यापक आयोजन

कलेक्टर ने व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजन के दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में 9 से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने के साथ स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के त्याग और बलिदान से जनसामान्य को परिचित कराने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी क्रम में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया जाएगा।

अभियान की तैयारियों एवं गतिविधियों के संबंध में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, क्लबों तथा गणमान्य नागरिकों से अभियान के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में सुझाव लिए गए।

बैठक में तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, मैराथन, साइक्लोथॉन, तिरंगा बाइक रैली, मानव श्रृंखला, तिरंगा सजावट, तिरंगा प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी एवं देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने पर चर्चा की गई। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जनभागीदारी के साथ गतिविधियां आयोजित करने पर विशेष जोर दिया गया।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित गतिविधियों को भी हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ा गया है। अभियान अवधि में आयोजित प्रत्यक्ष कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का गायन तथा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का फहराना एवं प्रदर्शन शामिल रहेगा।

14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विभाजन के दौरान विस्थापन एवं अपने प्राण गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मौन जुलूस एवं श्रद्धांजलि सभा सहित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विभाजन से प्रभावित परिवारों अथवा उनके प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके अनुभव साझा कराने तथा नई पीढ़ी को उस दौर के इतिहास से परिचित कराने पर भी चर्चा हुई।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत अधिक से अधिक नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के पूर्व आयोजित गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के साथ स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाए।

कार्यालय नगर पालिक निगम देवास (म.प्र.)

निविदा सूचना

सूचना क्र./ 105 / लो.नि.वि./26 — देवास, दिनांक :- 03.08.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम व स्थान	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा क्रय एवं जमा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_526918_1	वार्ड क्र. 07 के विभिन्न स्थानों पर सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (मराठा मोहल्ला की 05 गलियों में) (षष्ठा निविदा)	60 दिवस, 20,00,000/-	2,000/- 15,000/-	17.08.2026
2	2026_UAD_526971_1	वार्ड क्र. 23 हटेसिंह गोयल बावड़ी परिसर की शेष बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य।	60 दिवस, 6,72,000/-	2,000/- 6,720/-	17.08.2026
3	2026_UAD_526596_1	वार्ड क्र. 25 सिविल लाइन रोड स्थित संत शिरोमणि सेन गुरु जी महाराज गार्डन में रिफ पेवर्स ब्लाक रिपेयर एवं सौन्दर्यीकरण कार्य।	60 दिवस, 5,00,000/-	2,000/- 5,000/-	17.08.2026
4	2026_UAD_526688_1	वार्ड क्र. 28-29 स्टेशन रोड स्थित राजस्थान स्वीट्स से एस.बी.आई. तक नाला निर्माण कार्य। (द्वितीय निविदा)	60 दिवस, 11,77,000/-	2,000/- 8,828/-	17.08.2026
5	2026_UAD_526771_1	वार्ड क्र. 33 बागरी मोहल्ले की गली नम्बर 05 एवं 06 में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (चतुर्थ निविदा)	60 दिवस, 15,61,000/-	2,000/- 11,708/	17.08.2026
6	2026_UAD_526618_1	वार्ड क्र. 43 बालगढ़ में गणेशपुरी मेनरोड एवं शमशान घाट में पेवर्स ब्लाक लगाने का कार्य। (द्वितीय निविदा)	60 दिवस, 26,70,000/-	5,000/- 20,025/	17.08.2026
7	2026_UAD_525940_1	वार्ड क्र. 12 रेलवे ब्रिज से भारत माता गार्डन तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	60 दिवस, 13,90,000/-	2,000/- 10,425/-	01.09.2026

निविदा से संबंधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन http://www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर ही किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, देवास

सम्पादकीय

सावन में जब प्रजा के बीच उतरते हैं राजाधिराज महाकाल

सनातन परंपरा में यह मान्यता सदियों से चली आ रही है कि आकाश में तारकेश्वर, पाताल में हाटकेश्वर और मृत्युलोक में महाकाल का वास है। उज्जैन का महाकालेश्वर इसलिए श्रद्धा का केंद्र नहीं बना कि वह बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस धाम की पहचान उस विश्वास से बनी है, जिसके अनुसार महाकाल आज भी उज्जयिनी के राजा हैं। राजसिंहासन बदलते रहे, सल्तनतें आईं और चली गईं, पर इस नगरी का अधिपति कभी नहीं बदला।

सावन का पहला सोमवार आते ही उज्जैन का मिज़ाज बदल जाता है। क्षिप्रा के घाटों पर सुबह की आरती के साथ दिन शुरू होता है। मंदिरों की घंटियां, हर-हर महादेव का उद्घोष, कांवड़ियों की टोलियां और भस्म रमाए साधुओं की टोलियां बता देती हैं कि यह साधारण महीना नहीं है। वर्षा से धुली सड़कें, हवा में घुली मिट्टी की सोंधी खुशबू और हर ओर गूंजता शिव नाम, पूरे शहर को एक अलग ही आभा से भर देते हैं।

श्रावण का भगवान शिव से संबंध पुराणों में विस्तार से मिलता है। समुद्र मंथन के समय निकले हलाहल विष को शिव ने अपने कंठ में धारण कर सृष्टि की रक्षा की। विष की तपन शांत करने के लिए देवताओं ने जल अर्पित किया। उसी स्मृति में आज भी सावन भर शिवलिंग पर जलाभिषेक होता है। शिवपुराण की कोटिरुद्र संहिता में महाकाल की कथा आती है। अवंती नगरी पर दूषण नामक असुर का अत्याचार बढ़ा तो भगवान शिव महाकाल रूप में प्रकट हुए। अधर्म का अंत हुआ और भक्तों के आग्रह पर शिव उसी भूमि पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हो गए। तभी से उज्जयिनी महाकाल की नगरी कहलाने लगी।

उज्जैन में पीढ़ियों से प्रचलित है कि राजा महाकाल, बाकी सब उनकी प्रजा। यही विश्वास महाकाल की सवारी का आधार है। राजा अपनी प्रजा का हाल जानने राजमहल से निकलते हैं। महाकाल भी सावन में अपने गर्भगृह से निकलकर नगर भ्रमण करते हैं। यही कारण है कि इस यात्रा को लोग शोभायात्रा नहीं, राजाधिराज बाबा महाकाल की सवारी कहते हैं।

सावन के सोमवार की दोपहर चढ़ते-चढ़ते शहर का हर रास्ता महाकाल मंदिर की ओर मुड़ जाता है। सुबह से लोग सवारी मार्ग पर जगह घेर लेते हैं। कोई गांव से ट्रैक्टर भरकर आया है, कोई रात भर ट्रेन का सफर तय करके पहुंचा है। बुजुर्ग अपनी छड़ी के सहारे खड़े हैं। बच्चों को कंधों पर बैठाए पिता बार-बार सड़क की ओर देखते हैं। महिलाएं पूजा की थाली में फूल सजाती हैं। किसी के हाथ में रुद्राक्ष की माला है, किसी के होंठों पर शिव तांडव स्तोत्र फिर वह क्षण आता है, जिसका इंतजार हजारों आंखें कर रही होती हैं।

चांदी की पालकी में विराजमान बाबा महाकाल बाहर आते हैं। देखते ही देखते पूरा वातावरण जय श्री महाकाल के उद्घोष से गूंज उठता है। हाथ अपने आप जुड़ जाते हैं। कई आंखें नम हो जाती हैं। अनेक श्रद्धालु भाव-विभोर होकर सिर झुका देते हैं। उस समय किसी को भीड़ दिखाई नहीं देती, सबकी दृष्टि अपने आराध्य पर टिक जाती है। पालकी आगे बढ़ती है और उसके साथ चलता है आस्था का अथाह सागर। सबसे आगे ध्वज, फिर घुड़सवार दल, पारंपरिक बैंड, अखाड़ों के साधु, वैदिक ब्राह्मण, भजन मंडलियां और हजारों श्रद्धालु।

ढोल की थाप पर गूंजते हर-हर महादेव के स्वर वातावरण में ऐसा कंपन पैदा करते हैं, जिसे शब्दों में बांधना आसान नहीं। ऐसा लगता है मानो पूरी उज्जयिनी एक साथ शिवमय हो गई हो। सवारी जिस गली से गुजरती है, वह कुछ समय के लिए तीर्थ बन जाती है। छतों से फूल बरसते हैं। कहीं गुलाब की पंखुड़ियां उड़ रही हैं, कहीं गेंदे के फूलों की वर्षा हो रही है। महिलाएं आरती उतारती हैं। छोटे-छोटे बच्चे हाथ जोड़कर खड़े रहते हैं। दुकानों के बाहर रंगोली बनी है। व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के सामने दीप जलाकर राजा का स्वागत करते हैं। जिन घरों के सामने से सवारी निकलती है, वहां उस दिन उत्सव का वातावरण रहता है।

महाकाल की सवारी का एक दृश्य हर बार लोगों को रोमांचित कर देता है। पालकी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, भीड़ भी उसके साथ बहने लगती है। कोई नंगे पैर चल रहा है, कोई ? नमः शिवाय का जाप कर रहा है। कोई बार-बार सिर झुकाकर प्रणाम करता है। कई श्रद्धालु तो वर्षों से एक ही स्थान पर खड़े होकर बाबा के दर्शन करते हैं। उनका कहना होता है कि राजा हमारे द्वार आए हैं, इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा।

उज्जैन की यह परंपरा धर्म के साथ-साथ संस्कृति की भी पहचान है। मालवा के लोकवाद्य, अखाड़ों की परंपरा, संतों की उपस्थिति, वैदिक मंत्र, लोकभजन और जनभागीदारी । सब मिलकर ऐसी तस्वीर बनाते हैं, जो भारत की सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा है। यही कारण है कि सावन के हर सोमवार को देश के अलग-अलग राज्यों से हजारों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं। विदेशों से आने वाले पर्यटक भी इस शाही सवारी को देखकर भारतीय आस्था की विराटता का अनुभव करते हैं।

शाम ढलने लगती है। सवारी अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ती है। घंटों से खड़े लोग थके जरूर होते हैं, मगर उनके चेहरे पर संतोष साफ दिखाई देता है। उन्हें लगता है कि आज महाकाल ने उन्हें देखा है, उनकी प्रार्थना सुनी है। यही भाव हर वर्ष उन्हें फिर उज्जैन खींच लाता है। सावन बीत जाता है, बारिश का मौसम भी बदल जाता है, मगर महाकाल की सवारी की स्मृतियां लोगों के मन में पूरे वर्ष जीवित रहती हैं। उज्जैन की पहचान महाकाल मंदिर से है, मगर उसकी आत्मा उस दिन दिखाई देती है, जब राजाधिराज अपने गर्भगृह से निकलकर अपनी प्रजा के बीच आते हैं।

सहजयोग : पंचतत्त्वों के सूक्ष्म जागरण से व्यक्तित्व का दिव्य रूपांतरण

सहजयोग में श्री माताजी की अनुकम्पा से कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के पश्चात जिन पंचतत्वों से हम बने हैं, चैतन्य लहरियाँ उन तत्त्वों के सूक्ष्म तत्त्व से हमें जोड़ने लगती हैं। यह बड़ी सूक्ष्म बात है, इसकी सूक्ष्मता हमें समझनी चाहिए।

श्री माताजी के अनुसार, प्रकाश अभिव्यक्त होने वाला प्रथम तत्त्व है और उसका सूक्ष्म तत्त्व है तेज, आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के पश्चात व्यक्ति (गहन सहजयोगी) का मुखमण्डल तेजोमय हो उठता है।

स्थूल वायु का सूक्ष्म तत्त्व आपको प्राप्त होने वाली शीतल चैतन्य लहरियाँ है। आत्म साक्षात्कार के बाद आप केवल लहरियाँ ही नहीं प्राप्त करते, शीतलता का भी अनुभव करते हैं।

जल तत्त्व सूक्ष्म रूप में जब अभिव्यक्ति होता है तो वह सहजयोगी की कठोर त्वचा को कोमल करता है, उनके अंदर का जल ही उनके चेहरे की त्वचा को चमक और पोषण प्रदान करता है। इसी के साथ आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति अत्यन्त मृदु और विनम्र हो जाते हैं।

आप में अग्नि भी है परन्तु यह अत्यन्त शान्त अग्नि है। यह किसी अन्य को नहीं जलाती, आपके अंदर बुराइयों को और आपके माध्यम से अन्य लोगों की बुरारियों को आपकी यह अग्नि जला देती है। यदि आप पूर्णतः विकसित सहजयोगी हैं तो अग्नि आपको कभी नहीं जलाएगी क्योंकि अग्नि तत्त्व का सार आपको प्राप्त हो जाता है।

पृथ्वी माँ है। पृथ्वी की बहुत सी सूक्ष्मताएं हममें आ जाती हैं। इनमें से एक गुरुत्वाकर्षण है । गुरुत्वाकर्षण की अभिव्यक्ति से व्यक्ति अत्यन्त आकर्षक हो जाता है। पृथ्वी माँ की तरह हम भी अत्यन्त सहनशील और धैर्यवान बनने लगते हैं।

आपके अन्दर आकाश तत्त्व भी कार्य करने लगता है, यह आपके चित्त के माध्यम से कार्य करता है चित्त डालने के लिए आपको मुझसे नहीं कहना पड़ता, आप स्वयं चित्त डालिए, और कार्य हो जाएगा।

इलाज के बाद बची बीमारीः अस्पतालों के नीचे दफन होता भविष्य

कूड़े का कोई टुकड़ा सिर्फ कूड़ा नहीं, खासकर जब वह अस्पताल से निकला हो। उसे जमीन में दबाने से खतरा खत्म नहीं होता; वह मिट्टी और पानी के रास्ते इंसानी जिंदगी तक पहुंच सकता है। मेडिकल कचरे के गलत निपटान पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की सख्ती ने स्वास्थ्य व्यवस्था की अनदेखी उजागर की है। सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 9,178 स्वास्थ्य सुविधाओं की जांच में केवल 5,715 नियमों के अनुरूप मिलीं। बाकी में भूजल सुरक्षा की अनदेखी, जरूरी अनुमति का अभाव, गलत जगह गड्ढे और जानवरों की पहुंच रोकने में लापरवाही मिली। जिस अस्पताल में बीमारी का इलाज होता है, वहीं संक्रमित कचरे का गलत निपटान इलाज और प्रदूषण की सीमा मिटा देता है। सवाल सिर्फ कचरे का नहीं, मिट्टी, पानी और उन परिवारों की जिंदगी का है, जो इसकी कीमत चुका सकते हैं।

धरती के गर्भ में दबा कचरा आंखों से ओझल हो सकता है, असर नहीं। संक्रमित कचरा भूजल तक न पहुंचे, इसलिए गहरे गड्ढे में दफन की प्रक्रिया के नियम कड़े हैं। जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधा नहीं है, वहां दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में तय शर्तों पर गहरे गड्ढे में दफन की अनुमति है। गड्ढे जलस्त्रोतों और आबादी से सुरक्षित दूरी पर हों, भूजल स्तर गड्ढे के निचले हिस्से से कम से कम छह मीटर नीचे हो, कचरे को मिट्टी और चूने से ढकना तथा जानवरों की पहुंच रोकना जरूरी है। लेकिन नियमों की ताकत उनके पालन में है। सुविधा के नाम पर छोटी-सी लापरवाही प्रकृति के लिए वर्षों का संकट बन सकती है।

जब आंकड़े जमीन पर उतरते हैं, वे सिर्फ संख्या नहीं रहते, किसी की जिंदगी का खतरा बन जाते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में 477 सुविधाओं में भूजल सुरक्षा उल्लंघन मिले। 341 के पास जरूरी अनुमति नहीं थी और 316 में स्थल चयन तय मानकों के अनुरूप नहीं मिला। 253 जगह अभिलेख रखने में लापरवाही, 229 स्थानों पर जानवरों की पहुंच रोकने की व्यवस्था नहीं थी और 216 जगह कचरे को पर्याप्त मिट्टी से ढकने में कमी मिली। उत्तर प्रदेश की 111 और राजस्थान की 33 स्वास्थ्य सुविधाओं में पूर्ण गैर-अनुपालन दर्ज हुआ। इन आंकड़ों को गांव के नक्शे पर रखें तो तस्वीर बदल जाती है। कहीं वह कुआं हो सकता है, जहां से परिवार पानी भरता है; कहीं वह खेत, जहां अगली फसल बोई जानी है।

खतरा अस्पताल से निकलते ही खत्म नहीं होता, कई बार कचरे के साथ शुरू होता है। चिंता केवल नियम टूटने की नहीं, बल्कि नियम टूटने पर भी व्यवस्था चलते रहने की है। चिकित्सकीय कचरे का खतरा मात्रा से अधिक उसकी प्रकृति में है। संक्रमित सामग्री, शरीर के अवशेष और रक्त या जैविक द्रव से सनी वस्तुओं का सुरक्षित उपचार जरूरी है। ऐसे कचरे तक पशु पहुंचें या भूजल से संपर्क हो, तो संक्रमण अस्पताल से बाहर फैल सकता है। इसलिए चिकित्सकीय कचरा केवल पर्यावरण मंत्रालय या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न है। अस्पताल की स्वच्छता शल्य कक्ष में नहीं, कचरे के अंतिम पड़ाव पर परखी जाती है।

दुर्गम पहाड़ और लंबी दूरियां कठिनाई हो सकती हैं, जिम्मेदारी से मुक्ति का कारण नहीं। पूर्वोत्तर राज्यों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में दुर्गम भूभाग, कम आबादी और परिवहन कठिनाइयां साझा उपचार संयंत्रों की पहुंच सीमित करती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दस्तावेजों में ऐसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का उल्लेख है, जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधाएं पूरी नहीं हैं और दूरस्थ स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय उपचार, जिसमें गहरे गड्ढे में दफन शामिल है, पर निर्भर हैं। कुछ क्षेत्रों में साझा उपचार संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर समाधान दूरस्थ क्षेत्रों को नियमों से मुक्त करना नहीं, वहां नियमों के पालन की तकनीकी और आर्थिक क्षमता पहुंचाना है।

अब सवाल आदेश जारी होने का नहीं, आठ सप्ताह में बदलाव दिखने का है। एनजीटी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जैव-चिकित्सा कचरा निपटान के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। पालन न होने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत कठोर निर्देश दिए जा सकते हैं और अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को है।

लेकिन अदालत की समयसीमा को नई रिपोर्ट बनाने की अवधि बना देना इस संकट के साथ अन्याय होगा। हर उल्लंघनकारी सुविधा की दोबारा जांच हो, जिम्मेदारी तय हो, पुराने दफन गड्ढों का लेखा बने, भूजल जांच हो और सुधार का स्वतंत्र सत्यापन किया जाए। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को कागजी निरीक्षण से आगे बढ़कर सुनिश्चित करना होगा कि जिसे 'अनुपालन' बताया जा रहा है, वहां जमीन भी वही सच बयान करे।

किसी समाज की असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपनी सुविधा की कीमत किसे चुकाने देता है। हम ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था नहीं बना सकते जो मरीज को बचाकर उसके आसपास की मिट्टी और पानी को खतरे में डाल दे।

राज्यों को नियमित निरीक्षण, प्रशिक्षित कर्मचारी, पारदर्शी अभिलेख, आधुनिक उपचार सुविधाएं और साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार केंद्रों का विस्तार करना होगा।

जहां गहरे गड्ढे में दफन करना अपरिहार्य है, वहां हर शर्त अक्षरशः लागू हो; जहां साझा उपचार केंद्र उपलब्ध है, वहां जोखिमपूर्ण कचरे को गड्ढे में दफन करने की गुंजाइश ही क्यों रहे? धरती तुरंत शिकायत नहीं करती, पानी भी कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराता। लेकिन प्रदूषण का हिसाब पीढ़ियों तक चलता है। इसलिए अब चिकित्सकीय कचरे को छिपाना नहीं, उसकी पूरी यात्रा को जवाबदेह बनाना होगा–अस्पताल के द्वार से अंतिम उपचार तक। क्योंकि बीमारी से लड़ने वाला अस्पताल यदि अपनी ही छाया में बीमारी दफना रहा है, तो सवाल सिर्फ गड्ढे की गहराई का नहीं, हमारी जिम्मेदारी की गहराई का है।

-प्रो. आरके जैन

मानस विवाहः निष्ठा का सत्य, शास्त्रों का विधान और कर्म का चक्र

सनातन परंपरा में विवाह केवल दो शरीरों या सामाजिक उत्सवों का नाम नहीं, बल्कि दो आत्माओं का पवित्र और सूक्ष्म बंधन माना गया है। आधुनिक दौर में जहाँ विवाह को केवल कागज़ी औपचारिकताओं, सामाजिक स्वीकृति और भव्य आयोजनों तक सीमित समझ लिया जाता है, वहीं हमारे शास्त्रों में मानस विवाह (मनसा विवाह) की एक अत्यंत गूढ़ और अनुशासित अवधारणा मिलती है।

मानस विवाह और गुरु-परंपरा का दृष्टिकोण- शास्त्रों के अनुसार, जब कोई व्यक्ति बिना किसी बाह्य आडंबर, विवाह मंडप या सामाजिक प्रदर्शन के, केवल अपने मन, वचन और आत्मा की पूर्ण पवित्रता से किसी को अपना जीवनसाथी स्वीकार कर लेता है, तो उसे मानस विवाह कहा जाता है।

गुरु-परंपरा और आचार्यों का स्पष्ट मत है कि ÷मन एव मनुष्याणां कारणं बंधमोक्षयोः÷ अर्थात् मन ही मनुष्य के हर संकल्प, धर्म और कर्म-बंधन का मूल आधार है। जब मन से कोई सत्य संकल्प ले लिया जाता है, तो वह केवल विचार नहीं रहता, बल्कि आध्यात्मिक जगत् में एक सत्य बन जाता है। पौराणिक इतिहास में देवी रुक्मिणी द्वारा श्री कृष्ण का मानस वरण और महाभारत में राजकुमारी अंबा का राजा शाल्व के प्रति मानस समर्पण इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

मानस सतीत्व और आत्मिक शक्ति- प्रश्न यह है कि क्या केवल मन से किया गया यह समर्पण स्त्री को सती या पतिव्रता का दर्जा देता है? शास्त्रों का उत्तर पूरी तरह सकारात्मक है। सतीत्व शरीर का नहीं, बल्कि आत्मा की निष्ठा, चरित्रबल और अनन्य प्रेम का नाम है।

जो स्त्री बाह्य परिस्थितियों, सामाजिक बाधाओं या वियोग के बावजूद अपने मानस संकल्प पर जीवनभर निष्ठावान रहती है, वह शास्त्रों की दृष्टि में परम सती और साध्वी है। सावित्री, अनुसूया और माता सीता का तपोबल उनके इसी अंतःकरण की पवित्रता पर आधारित था। ऐसी निष्ठा किसी बाह्य मोहर या सामाजिक प्रमाण पत्र की मोहताज नहीं होती; उसका सत्य स्वयं ईश्वर और धर्मशास्त्र स्वीकार करते हैं।

गरुड़ पुराण और कर्म-सिद्धान्तः छल का दुष्परिणाम- इस विषय का दूसरा और सबसे गंभीर पहलू उन पुरुषों के लिए है जो मानस विवाह या समर्पण के भाव के बाद स्त्री को त्याग देते हैं। इस संदर्भ में गरुड़ पुराण का कर्म-विधान अत्यंत स्पष्ट और कठोर चेतावनी देता है मित्रद्रोह और स्त्री-छल का पापः गरुड़ पुराण (धर्मकांड) में लिखा गया है कि जो पुरुष किसी स्त्री में अपने प्रति अनन्य निष्ठा, विश्वास और पत्नी-भाव जगाकर बाद में स्वार्थ, कायरता या सामाजिक भय से उसे असहाय छोड़ देता है, वह मित्रद्रोही और विश्वासघाती माना जाता है। ऐसे कर्म को शास्त्रों में महापाप की श्रेणी में रखा गया है। सूक्ष्म संताप और कर्म-ऋणः गरुड़ पुराण के अनुसार, जिस निष्पाप और समर्पित स्त्री का हृदय छल से टूटता है, उसकी मानसिक वेदना और वियोग की आह एक सूक्ष्म कर्म-ऋण बन जाती है। यह ऋण पुरुष के भावी जीवन में घोर मानसिक अशांति, पारिवारिक कलह और अज्ञात दुखों का कारण बनता है।

—गरिमा सिंह ब्यावर

बौद्धिक विरासत का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता की हकदार

पीढ़ियों के बीच संवाद टूटना केवल पारिवारिक संकट नहीं, सभ्यता के स्मृति-तंत्र का कमजोर होना है किसी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति, आधुनिक तकनीक, चमचमाते शहरों और ऊँची इमारतों से नहीं होती। राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी स्मृतियों, संस्कारों, अनुभवों और आने वाली पीढ़ियों के सपनों में होती है। जिस समाज ने अपने अतीत को सम्मान दिया, वर्तमान को संवारा और भविष्य को संस्कार दिए, वही समाज दीर्घकाल तक अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रख सका। बुजुर्ग हमारी बौद्धिक विरासत हैं, महिलाएँ हमारी सांस्कृतिक एवं पारंपरिक शक्ति हैं और बच्चे राष्ट्र के सशक्त भविष्य की आधारशिला हैं। इन तीनों को अलग-अलग देखने के बजाय एक ऐसी जीवन-श्रृंखला के रूप में देखना होगा, जिसमें अतीत का अनुभव वर्तमान के संस्कारों से होकर भविष्य की संभावनाओं में बदलता है। आज हम सूचना के ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ एक क्लिक पर हजारों सूचनाएँ उपलब्ध हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही क्षणों में जटिल प्रश्नों के उत्तर दे सकती है, लेकिन जीवन के अनुभव का कोई डिजिटल विकल्प नहीं है। एक बुजुर्ग ने जीवन में जितने उतार-चढ़ाव देखे हैं, वे किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं मिल सकते। उन्होंने अभाव का समय देखा, संघर्ष किया, रिश्तों को निभाया, सामाजिक परिवर्तन को अपनी आँखों के सामने घटित होते देखा और अपने अनुभव से परिवारों को संभाला। इसलिए बुजुर्गों को केवल आयु के आधार पर निर्भर व्यक्ति समझना उनके व्यक्तित्व और समाज में उनके योगदान को छोटा करना है।भारतीय परंपरा ने सदैव वृद्धों के अनुभव को महत्व दिया। मनुस्मृति में कहा गया है-

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।

चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्॥ अर्थात जो व्यक्ति वृद्धों का सम्मान और सेवा करता है, उसकी आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। आज इस श्लोक को केवल धार्मिक संदर्भ में नहीं, बल्कि सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में भी समझने की आवश्यकता है। बुजुर्गों के पास अनुभव की वह पूँजी है, जिसे अगली पीढ़ी तक पहुँचाना राष्ट्र की बौद्धिक संपदा का संरक्षण है। दुर्भाग्य से आधुनिक जीवन में संयुक्त परिवारों के विघटन, रोजगार के लिए पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने बुजुर्गों के सामने अकेलेपन की समस्या खड़ी की है। कई बार घर में रहते हुए भी वे संवाद से बाहर हो जाते हैं।

समस्या का समाधान केवल वृद्धाश्रम नहीं है। वृद्धाश्रम आवश्यकता की स्थिति में उपयोगी संस्था हो सकता है, लेकिन परिवार का विकल्प नहीं। बुजुर्गों को सबसे अधिक आवश्यकता सम्मान, संवाद, अपनत्व और निर्णयों में सहभागिता की है।महिलाएँ संस्कृति की मौन वाहक होती हैं।भारत की सांस्कृतिक परंपरा को यदि किसी ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है तो उसमें महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। बच्चे की पहली भाषा, पहला संस्कार, पहली प्रार्थना, पहला लोकगीत और परिवार के अनेक रीति-रिवाज अक्सर माँ और दादी-नानी के माध्यम से ही बच्चे तक पहुँचते हैं।

इसलिए महिला को केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित करके देखना उसकी वास्तविक भूमिका को कम करके देखना है।स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि

किसी राष्ट की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर उसकी महिलाओं की स्थिति है। जिस देश की महिलाएँ शिक्षित, सुरक्षित, स्वावलंबी और निर्णय लेने में सक्षम होंगी, वहाँ परिवार और समाज दोनों मजबूत होंगे। भारतीय इतिहास में अहिल्याबाई होल्कर, रानी लक्ष्मीबाई, सावित्रीबाई फुले और अनेक महिलाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल संवेदना की प्रतीक नहीं, बल्कि नेतृत्व, संघर्ष, ज्ञान और परिवर्तन की शक्ति भी है।

इसलिए महिलाओं के सम्मान की बात केवल भावनात्मक विषय नहीं होनी चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और समान अवसर ये महिला सशक्तीकरण के वास्तविक आधार हैं। यदि बुजुर्ग अनुभव हैं और महिलाएँ संस्कारों की वाहक हैं, तो बच्चे उस अनुभव और संस्कार के भविष्य हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति विशेष लगाव था। वे बच्चों को देश की भावी शक्ति मानते थे। उनका प्रसिद्ध विचार था कि आज के बच्चे ही कल का भारत बनाएँगे।

यह विचार हमें याद दिलाता है कि बच्चों की शिक्षा और परवरिश केवल माता-पिता की निजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है।।आज बच्चों के सामने नई चुनौतियाँ हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल मनोरंजन ने ज्ञान के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन इनके साथ ध्यान भटकने, सामाजिक अलगाव और वास्तविक संवाद कम होने जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

बच्चों को केवल महँगे विद्यालय और आधुनिक उपकरण देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें समय, संस्कार, अनुशासन, संवेदना, खेल, प्रकृति और परिवार के बुजुर्गों का सान्निध्य भी चाहिए।

एक बच्चा जब दादा-दादी से कोई कहानी सुनता है तो वह केवल कहानी नहीं सुन रहा होता; वह परिवार का इतिहास, भाषा, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन ग्रहण कर रहा होता है।

आज हमारे सामने एक विचित्र स्थिति है। बुजुर्गों के पास अनुभव है, युवाओं के पास ऊर्जा है और बच्चों के पास भविष्य की संभावनाएँ हैं, लेकिन इन तीनों के बीच संवाद लगातार कम हो रहा है।।बुजुर्ग कहते हैं आज की पीढ़ी हमारी बात नहीं सुनती। युवा कहते हैं बुजुर्ग हमें समझते नहीं।

और बच्चे कहते हैं हमारे पास किसी के पास बैठने का समय नहीं।

यदि यह दूरी बढ़ती रही तो हम केवल पारिवारिक संबंध नहीं खोएँगे, बल्कि पीढ़ियों के बीच ज्ञान का हस्तांतरण भी कमजोर होगा। इसलिए घर में ऐसा वातावरण बनना चाहिए जहाँ दादा-दादी बच्चों से बात करें, महिलाएँ परिवार की सांस्कृतिक स्मृतियों को आगे बढ़ाएँ और युवा दोनों पीढ़ियों के अनुभव तथा ऊर्जा को जोड़ने का काम करें। हमें यह भी समझना होगा कि संरक्षण का अर्थ अतीत को ज्यों का त्यों ढोना नहीं है। परंपरा वही जीवित रहती है जो समय के साथ स्वयं को उपयोगी बनाती है। बुजुर्गों का अनुभव और युवाओं की तकनीकी दक्षता मिल जाए तो परिवार अधिक सक्षम बन सकता है। महिलाओं की सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक शिक्षा मिल जाए तो समाज अधिक संवेदनशील और आत्मनिर्भर बन सकता है। बच्चों को आधुनिक विज्ञान के साथ भारतीय जीवन-मूल्यों की समझ मिल जाए तो भविष्य अधिक संतुलित होगा।

महात्मा गांधी का विचार था कि ऐसा जियो जैसे तुम कल मरने वाले हो और ऐसे सीखो जैसे तुम्हें हमेशा जीना है। इस विचार में पीढ़ियों के बीच ज्ञान के हस्तांतरण की गहरी भावना छिपी हैसरकारें बुजुर्गों के लिए योजनाएँ बना सकती हैं, महिलाओं के लिए कानून और सुरक्षा व्यवस्था दे सकती हैं तथा बच्चों के लिए शिक्षा और पोषण की योजनाएँ चला सकती हैं। लेकिन इन सबकी सफलता तभी संभव है जब समाज की मानसिकता बदले।बुजुर्गों को दया नहीं, सम्मान चाहिए। महिलाओं को केवल सुरक्षा नहीं, समान अवसर और निर्णय की स्वतंत्रता चाहिए। बच्चों को केवल सुविधाएँ नहीं, समय, संस्कार और सुरक्षित भविष्य चाहिए।

हमें यह समझना होगा कि जिस घर में बुजुर्ग सम्मानित होते हैं, वहाँ अनुभव सुरक्षित रहता है; जिस घर में महिला सम्मानित होती है, वहाँ संस्कृति और संवेदना मजबूत होती है; और जिस घर में बच्चों को अच्छे संस्कार मिलते हैं, वहाँ भविष्य सुरक्षित होता है।

बुजुर्ग अतीत की स्मृति हैं, महिलाएँ वर्तमान की सांस्कृतिक शक्ति हैं और बच्चे भविष्य की संभावना। इन तीनों को जोड़ने वाला मजबूत पारिवारिक और सामाजिक तंत्र ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।इसलिए आज आवश्यकता केवल विकास की नहीं, पीढ़ियों को जोड़ने वाले विकास की है।

बुजुर्गों की स्मृतियों को सुरक्षित रखिए, महिलाओं की शक्ति को सम्मान दीजिए और बच्चों के सपनों को पंख दीजिए।

-संजीव ठाकुर

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है।

यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी।

-ललित गर्ग

पित्ताशय के कैंसर को हराकर मरीज को मिला नया जीवन, अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सफल रैडिकल सर्जरी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ जंग में समय पर सही उपचार और विशेषज्ञ टीम का प्रयास मरीज के जीवन में नई उम्मीद ला सकता है। ऐसा ही एक सफल उदाहरण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल देवास में देखने को मिला, जहां 55 वर्षीय महिला मरीज का पित्ताशय (गॉलब्लैडर) के कैंसर का सफलतापूर्वक उपचार किया गया।

मरीज को जांच के बाद पित्ताशय के कैंसर का पता चला। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए डॉ. उमेश जेठवानी, एमसीएच सर्जिकल ऑन्कोलॉजी द्वारा मरीज की रैडिकल कोलेसिस्टेक्टॉमी सफलतापूर्वक की गई। इस जटिल कैंसर सर्जरी में पित्ताशय के साथ आसपास के प्रभावित ऊतकों एवं आवश्यक लिम्फ नोड्स को हटाया गया, जिससे बीमारी के बेहतर नियंत्रण में मदद मिल सके।

डॉ. उमेश जेठवानी ने बताया कि पित्ताशय का कैंसर कई बार शुरुआती अवस्था में स्पष्ट लक्षण नहीं देता। पेट में लगातार दर्द, भूख में कमी, वजन कम होना या अन्य असामान्य लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच और विशेषज्ञ उपचार से कैंसर के मरीजों को बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

इस सफल उपचार में मल्टीडिसिप्लिनरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मेडिकल ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. हेमंत मित्तल, डॉ. विजय, डॉ. शफाक, डॉ. कौशल एवं डॉ. रजत सहित टीम ने मरीज के समग्र उपचार एवं आगे की देखभाल में सहयोग किया। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. प्रिया (एनेस्थेटिस्ट) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यह जटिल सर्जरी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत की गई, जिससे मरीज को उच्च स्तरीय कैंसर उपचार का लाभ मिल सका। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में सुधार हुआ और वह स्वस्थ होकर आगे के फॉलोअप के लिए तैयार है।

अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल देवास में कैंसर उपचार के लिए आधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञ टीम के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र के मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह सफलता कैंसर से लड़ रहे मरीजों और उनके परिवारों के लिए आशा का संदेश है।

हर घर तिरंगा अभियान में उत्साह के साथ शामिल हों : भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे हर घर तिरंगा अभियान में उत्साह और गर्व के साथ सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश का गौरव और हमारी राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए इस अभियान में सहभागी बनना चाहिए।

उल्लेखनीय है की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत वर्ष 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत की थी। इस अभियान में हम सबको सहभागिता करना है। इसके माध्यम से जिले भर के कार्यकर्ता व पदाधिकारी अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना प्रकट करें।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ भी मनाई जा रही है। ऐसे अवसर पर तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए प्रत्येक परिवार को अपने घर पर तिरंगा फहराना चाहिए और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने जिले भर भाजपा कार्यकर्ताओं नागरिकों से आह्वान किया कि वे हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं, अपने घरों पर तिरंगा फहराएं तथा इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया के माध्यम से साझा कर राष्ट्रभक्ति का संदेश दें। भाजपा जिला अध्यक्ष डाक्टर सेंधव ने आगामी 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या के दिन जिले के प्रत्येक बूथ पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत दस-दस पौधारोपण करने की अपील भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता से की है। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

12 अगस्त को निकलेगी तिरंगा यात्रा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में हर घर तिरंगा अभियान-2026 पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया जा रहा है। अभियान के तहत देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देवास शहर में 12 अगस्त 2026 को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा का आयोजन 12 अगस्त 2026 को प्रातः 9:30 बजे श्रीमंत तुकोजीराव पवार स्टेडियम देवास से किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी देवास शहर के नागरिकों, सामाजिक संगठनों, खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों से अपील की गई है कि वे तिरंगा यात्रा में सहभागी बनें और 'हर घर तिरंगा/हर दिल तिरंगा' के संदेश को सशक्त बनाएं। यह आयोजन नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, गौरव एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

व्हॉट्सएप पर आया माल खरीदने का ऑर्डर, व्यापारी को लगी 1 लाख की चपत

बार-बार मांगे पैसे, माल न पहुंचने पर हुआ ठगी का एहसास, पुलिस जुटी जांच में

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महूपुरा निवासी एक बांस व्यापारी को माल भेजने के नाम पर साइबर ठग ने 1 लाख रू. की चपत लगा दी। जब व्यापारी को माल नहीं मिला तब उसे ठगी का एहसास हुआ। जिसकी शिकायत व्यापारी ने साइबर पुलिस को करते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

दरअसल वजीरपुरा निवासी अनुपम गुप्ता (31) ने बताया कि उनकी हाट मैदान गली का पीठा महुपुरा में गिरिराज टिम्बर मर्चेन्ट नाम से बांस-बल्ली की दुकान है। 30 जुलाई को उनके पिता महेश गुप्ता के मोबाइल पर एक व्हाट्सऐप काल आया। काल करने वाले ने खुद को दीमापुर असम का थोक बांस व्यापारी गुड्डू माहेश्वरी बताया। आरोपी ने व्हाट्सऐप पर बांस के फोटो और दरें भेजीं। सौदा तय होने के बाद उसने विजय ट्रेडर्स, कृष्णाई, जिला गोलपारा, असम के नाम से जीएसटी बिल भेजा। आरोपी ने माल के लिए 49 हजार 612 रुपए और परिवहन के लिए 65 हजार रुपए बताए। उसने पहले भाड़े के नाम पर 8 हजार रुपए ट्रांसफर करवाए। 31 जुलाई को आरोपी ने माल लोड होने और ट्रक के शाजापुर के लिए रवाना होने की जानकारी दी। इसके बाद ट्रांसपोर्टर के खाते में भुगतान के नाम पर व्यापारी से 35 हजार रुपए और वसूले गए।

जिला अस्पताल में एचआईवी/एड्स संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल में एचआईवी/एड्स संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान एचआईवी/एड्स के चार प्रमुख कारणों, संक्रमण से बचाव के उपायों, स्क्रीनिंग एवं टेस्टिंग की प्रक्रिया तथा निःशुल्क परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही एचआईवी एक्ट 2017 के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक कर उन्हें समुदाय स्तर पर सही जानकारी प्रदान करने, बचाव के उपायों के प्रचार-प्रसार तथा समय पर जांच एवं उपचार के लिए लोगों को प्रेरित करने में सक्षम बनाना रहा। इस दौरान एचआईवी से संक्रमित व्यक्तियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करने, नियमों के उल्लंघन पर दंडात्मक प्रावधान तथा सहायता एवं परामर्श के लिए टोल फ्री नंबर 1097 की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बताया गया कि गर्भवती महिलाओं की प्रथम तिमाही में एचआईवी एवं वी.डी.आर.एल. जांच अनिवार्य रूप से करें। प्रशिक्षण में तीन माह पश्चात पुनः स्क्रीनिंग किए जाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही गर्भावस्था के दौरान एचआईवी के साथ हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, एनीमिया प्रबंधन एवं टीबी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। प्रशिक्षण नोडल अधिकारी डॉ. अमरीन शेख द्वारा दिया गया।

सुबह शिवालय पहुंचे श्रद्धालू, शाम को महादेव ने जाने भक्तों के हाल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण माह प्रारंभ होते ही शिव भक्तों का उत्साह चरम पर है और हर कोई महादेव की एक झलक पाने शिवालय पहुंच रहा है। नगर के महादेव मंदिरों में भी अलसुबह से भक्तों का तांता लगना शुरू हो चुका है। जहां भक्त मंदिर मे कतार लगाकर महादेव के दर्शन कर रहे हैं। वहीं शाम को बरसते पानी में भी लोग महादेव की एक झलक पाने के लिए डटे रहे।

सोमवार को अलसुबह से ही शिवभक्तों की भीड़ मंदिर में देखी जा रही है। खासकर श्रावण के सोमवार में महादेव के भक्त महादेव की भक्ति मे लीन रहते हैं। शहर के प्रसिद्ध मंगलनाथ महादेव मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की कतारें लग गई थीं। अभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन का क्रम दिनभर चलता रहा। इस दिन हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं ओंकारेश्वर महादेव, काशी विश्वनाथ, सोमेश्वर महादेव श्री घाट महादेव और अन्य शिवालयों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालू पहुंचे। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। वही कही भक्ति तो जलाभिषेक करने पहुंचे तो कई परिवार सहित पूजा-अर्चना में लीन दिखे। शहरवासियों की श्रद्धा और उत्साह ने सावन के दूसरे सोमवार को भी एक आध्यात्मिक उत्सव में बदल दिया।

शाम को महादेव ने दिए भक्तों को दर्शन- सुबह जहां श्रद्धालू कतार लगाकर मंदिरों में पहुंचे थे। वहीं शाम को महादेव अपने भक्तों से मिलने नगर भ्रमण पर निकले। शाम को भी नगर में झमाझम बारिश हो रही थी। ऐसे में भी नगर के शिवालय से महादेव शाही अंदाज में नगर भ्रमण पर पालकी में सवार होकर निकले जिनके दर्शन के लिए उनके भक्त पलक-पावड़े बिछाकर उनकी राह देखते रहे ओर जैसे ही पालकी में सवार महादेव उनके सम्मुख पहुंचे भक्तों ने दर्शन कर खुद को धन्य किया।

सावन में लगी बारिश की झड़ी, 12 घंटे में हुई 7 इंच वर्षा, चीलर बांध में हुआ 5 फीट से अधिक जल भराव, आवक अभी भी जारी

मौसम विभाग का अनुमान रात में भी इसी तरह की बारिश की संभावना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण माह में नगरवासियों की मनोकामना महादेव ने पूरी कर दी। अब तक बारिश की बाट जोह रहे नगरवासियों की उम्मीद पर मानसून खरा उतरा और रविवार रात करीब 2 बजे से दोपहर 3 बजे तक कभी तेज, कभी मूसलाधार तो कभी हल्की वर्षा के रूप में पानी बरसता रहा। इस दौरान 7 इंच वर्षा दर्ज की गई। यही नहीं सोमवार रात से फिर इसी तरह की बारिश शुरू होने की संभावना है और मौसम का यह हाल 14 अगस्त तक रहेगा। इस दौरान कभी तेज तो कभी हल्की बारिश होती रहेगी।

गौरतलब है जून माह में ही मानसून जिले में प्रवेश कर चुका था। लेकिन नगरवासियों के हिस्से केवल बूंदाबांदी ही आ रही थी। तो कभी बूंदाबांदी भी नसीब नहीं हो पा रही थी। पिछले एक माह से तो नगर में एक इंच वर्षा भी नहीं हुई थी जिससे नगरवासी चिंतित हो रहे थे। तो चीलर बांध का जलस्तर भी शून्य हो चुका था और नगरवासी निराश हो चुके थे। मौसम विभाग द्वारा बारिश की संभावना तो जताई जा रही थी लेकिन आसमान पर बादल केवल मुंह दिखाई की रस्म निभा रहे थे। रात करीब 12.30 बजे से हल्की बारिश शुरू हुई जो कुछ देर बाद थम गई। लेकिन रात करीब 2 बजे से गरज-चमक के साथ फिर बारिश का दौर शुरू हुआ जो सोमवार दोपहर करीब 3 बजे तक झमाझम के रूप में जारी रही। मौसम विभाग के अनुसार 13 घंटे में नगर में 7 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। वहीं इस दिन अधिकतम तापमान भी 26.3 व न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि बारिश की संभावना बनी हुई है। उन्होंने बताया कि सिस्टम अभी एक्टिव है और सोमवार देर रात से फिर इसी तरही बारिश हो सकती है।

कई इलाकों में हुआ जलभराव- तेज बारिश के कारण नगर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। सोमवार सुबह लगभग 8 बजे भाजपा कार्यालय के सामने स्थित नाला ओवरफ्लो हो गया, जिससे सड़क पर पानी भर गया। आसपास के क्षेत्रों में भी पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। राधा पेट्रोल पंप के पास शहरी हाईवे पर भी बारिश का पानी जमा हो गया। जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जिले भर में जारी रही बारिश- केवल नगर में ही नहीं बल्कि जिले भर में रविवार देर रात से बारिश जारी है। जिले के मोहन बड़ोदिया में बारिश का असर अधिक गंभीर रहा। सोमवार सुबह करीब 6 बजे हुई तेज बारिश के चलते नलखेड़ा रोड स्थित पड़ाव कालोनी में जलभराव हो गया। लगातार बारिश और पानी की निकासी में बाधा के कारण कई घरों और दुकानों में पानी घुस गया। कुछ घरों में पानी भरने के बाद लोग सोफे और पलंग पर बैठे देखे गए। निवासियों ने प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की।

नाचते-झूमते पहुंचे महाकाल के द्वार, जताया आभार- लंबे समय से बारिश की राह देख रहे नगरवासियों की मनोकामना दूसरे श्रावण सोमवार को पूरी हुई। जब देर रात से नगर में झमाझम बारिश हो रही थी। इसे लेकर नगर के महाकाल भक्तों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सोमवार को ग्राम मूलीखेड़ा की महिलाओं ने नाच-गाकर बारिश स्वागत किया और महाकाल मंदिर पहुंची। इन महिलाओं ने महादेव का अभिषेक कर बारिश के लिए उनका आभार माना। इस दौरान पूरे गांव में इन महिलाओं ने नाचते-गाते भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाया। महिलाओं ने बताया कि बहुत खुशी की बात है की बारिश लेट हुई लेकिन आज आनंद कुछ और रहा। भगवान श्री नित्यानंदेश्वर महादेव भोलेनाथ की कृपा हुई जो की वर्षा हुई।

चीलर बांध में आया 5 फीट पानी- रविवार देर रात से जारी बारिश के चलते नगर के एकमात्र जलस्त्रोत चीलर बांध के जलस्तर में भी वृद्धि हुई है। सिंचाई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार चीलर बांध में सोमवार दोपहर करीब 1 बजे तक 1 फीट पानी का भराव हुआ था। जिसके बाद आसपास से आवक जारी होने के चलते बांध में 5 बजे तक 5 फीट जलभराव हो सकता है।

14 अगस्त तक जारी रहेगा बारिश का दौर- मौसम विशेषज्ञ धनोतिया ने बताया कि नया सिस्टम एक्टिव हुआ है जो चार दिनों तक एक्टिव रहेगा। इस दौरान जिले भर में कभी झमाझम तो कहीं हल्की बारिश जारी रहेगी। संभावना है कि चीलर बांध में भी पर्याप्त जलभराव हो जाए।

पुलिया का एक हिस्सा धंसा, प्रशासन ने बंद किया भारी वाहनों का प्रवेश

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार देर रात से हो रही बारिश से कई जगह मुसीबत खड़ी हो गई। लगातार जारी बारिश से सोमवार को मां राजराजेश्वरी मंदिर के पास स्थित बड़ी पुलिया का एक हिस्सा धंस गया। हादसे के बाद प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से भारी वाहनों के निकलने पर रोक लगा दी है।

दरअसल दोपहर करीब 2 बजे पुलिया का एक कोना बारिश के चलते क्षतिग्रस्त होकर धंस गया था। इसकी खबर जैसे ही अधिकारियों को लगी मौके पर एसडीएम मनीषा वास्कले, तहसीलदार गौरव पोरवाल और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। हादसों को रोकने के लिए क्षतिग्रस्त हिस्से के आसपास बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। इसके अलावा यातायात पुलिस ने पुलिया से ट्रक, डंपर और बसों जैसे भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह बैन लगा दिया है। फिलहाल दोपहिया और कार जैसे छोटे वाहनों को ही संभलकर निकलने दिया जा रहा है। आवाजाही सीमित होने की वजह से वहां जाम के हालात बन रहे हैं। यातायात थाना प्रभारी मोनिका चैहान ने बताया कि लगातार बारिश और दरार की वजह से यह कदम उठाया गया है।

मंदिर की दीवार भी क्षतिग्रस्त, नदी की सफाई शुरू- बारिश के कारण मां राजराजेश्वरी मंदिर के पीछे की बाउंड्रीवाल का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ है। उधर चीलर नदी में जलकुंभी और कचरा जमा होने से जलभराव की स्थिति बन रही थी। नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन ने बताया कि पानी की निकासी के लिए जेसीबी से नदी की सफाई का काम शुरू करवा दिया गया है।

लगातार बारिश को देखते हुए कलेक्टर ने दिए सतर्कता और राहत के निर्देश

पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में आवागमन तत्काल रोकने और कर्मचारियों की तैनाती के निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टीएल बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को रोस्टर के अनुसार निर्धारित शिविरों में अनिवार्य रूप से पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में आने वाले नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका मौके पर ही अथवा समय-सीमा में त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने जनविश्वास भ्रमण अभियान के दौरान मैदानी क्षेत्रों में पहुंचकर योजनाओं की स्थिति एवं नागरिकों की समस्याओं की जानकारी लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य आमजन को शासन की योजनाओं का लाभ और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनविश्वास भ्रमण अभियान में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टीएल बैठक के दौरान जिले में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शत-प्रतिशत खाद्यान्न का उठाव एवं वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राशन दुकानों एवं खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। सत्यापन के दौरान अपात्र पाए गए राशन हितग्राहियों के नाम नियमानुसार हटाए जाएं तथा पात्र परिवारों के नाम जोड़ने की कार्रवाई समय-सीमा में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राही शासन की खाद्यान्न योजना के लाभ से वंचित न रहें और अपात्र व्यक्ति योजना का अनुचित लाभ न उठा सके, इसके लिए राशन पोर्टल एवं हितग्राही सूची को लगातार अद्यतन रखा जाए।

कलेक्टर ने जिले में खाद की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खाद वितरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समय पर खाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। खाद वितरण केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्था रखने और किसानों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि खाद वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ ही किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के अधिक से अधिक पात्र असंगठित श्रमिकों को योजना से जोड़ा जाए और उन्हें योजना के लाभ एवं पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। अधिकारियों को मैदानी स्तर पर जागरूकता एवं पंजीयन गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर श्री बृजेश सक्सेना, संयुक्त कलेक्टर श्री रविंद्र परमार, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रेम सिंह गौंड सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

केवल नाम नहीं आस्था की मिसाल है जयशिव कावड़ यात्रा: चैहान

लगातार 26वे वर्ष निकलेगी जयशिव कावड़ यात्रा, धूमधाम से हुआ कार्यालय का शुभारंभ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जय शिव का अर्थ होता है शिव जी की जय। लेकिन पं. संतोष जोशी ने शिव जी के जयकारे को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया जिन्होंने इसी नाम से कावड़ यात्रा की शुरूआत की जो आज 25 सालों से आस्था और उत्साह के साथ निकलती आ रही है। इस वर्ष भी हजारों लोग इस यात्रा के माध्यम से देश की खुशहाली के लिए शामिल होंगे जो हम सभी के लिए गौरव की बात है।

यह बात प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चैहान ने सोमवार को बालवीर हनुमान मंदिर के सामने जयशिव कावड़ यात्रा कार्यालय के शुभारंभ अवसरा पर कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक चैहान ने कहा कि पं. संतोष जोशी ने ही सर्वप्रथम उज्जैन तक कावड़ यात्रा निकालना प्रारंभ किया था। जिसमें लोग जुड़ते गए और आज यह आस्था का प्रतीक बन चुकी है जो इस वर्ष लगातार 26वे वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। विशेष अतिथि प्रेस क्लब संरक्षक मनोज पुरोहित ने कहा कि इस वर्ष यात्रा के संस्थापक पं. संतोष जोशी द्वारा इस यात्रा की थीम नशे से दूरी है जरूरी तय किया है। जिसके माध्यम से उन्होंने युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पं. जोशी एक जनप्रतिनिधि ही नहीं बल्कि हम सभी के लिए एक मिसाल बन चुके हैं जिन्होंने युवा पीढ़ी को नई दिशा प्रदान की है। कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रहे भाजपा प्रदेश मंत्री क्षितिज भट्ट, सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महादेव का पूजन व आरती कर कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब प्रवक्ता मनीष सोनी, उपाध्यक्ष मंगल नाहर, सचिव नीलेश वर्मा, सहसचिव पं. गोविंद शर्मा, रोहित विश्वकर्मा, सुमित भावसार, नितिन परमार, गणेश गवली, सत्या वात्रे, राजेश पारछे, जयशिव कावड़ यात्रा सह संयोजक अमित नैय्यर, कौशल बंटी कसेरा, प्रेम यादव, किरणसिंह ठाकुर, रामचंद्र भावसार, तुलसीराम भावसार, महेश प्रजापत, कैलाश सेन, अंकित अंबावतिया, गोविंद नायक, दीपक निगम, गजेंद्रसिंह सिकरवार, नरेंद्र प्रजापति, आकाश शर्मा, दीपक राठौर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीहोर जिले में 10 अगस्त तक औसत 617.9 मिमी वर्षा दर्ज

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 10 अगस्त 2026 को जिले में औसतन 100.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 210.0 मिमी वर्षा श्यामपुर तहसील में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा सीहोर में 170.0 मिमी, रेहटी में 118.6 मिमी, बुधनी में 104.0 मिमी आदी।

सावन में उज्जैन रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन को और प्रभावी बनाने की जरूरत

यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा व सुगम आवागमन को लेकर यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने दिए रचनात्मक सुझाव

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सावन माह में महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में उज्जैन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को व्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए रेलवे द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साथ ही आवश्यकता के अनुसार भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने की दिशा में रचनात्मक सुझाव सामने आए हैं। रेलवे द्वारा इस सीजन में वन-वे व्यवस्था, निगरानी सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जो यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

यात्री विकास एवं सुझाव मंच, नागदा ने रेलवे से आग्रह किया है कि सावन के दौरान भीड़ के अधिक दबाव वाले समय को ध्यान में रखते हुए प्रवेश एवं निकास व्यवस्था को स्पष्ट एवं व्यवस्थित रखा जाए। यात्रियों की कतारबद्ध आवाजाही, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, लगातार उद्घोषणा, प्लेटफॉर्म पर यात्री मार्गदर्शन तथा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त होल्डिंग एरिया जैसी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना उपयोगी रहेगा।

मंच के सदस्यों ने कहा कि ट्रेन के आगमन एवं प्रस्थान के समय प्लेटफॉर्म पर अचानक बढ़ने वाले यात्री दबाव को देखते हुए यात्रियों की आवाजाही को चरणबद्ध तरीके से संचालित करने की व्यवस्था की जा सकती है। इससे भीड़ को एक स्थान पर एकत्र होने से रोकने तथा यात्रियों को सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

टिकट एवं प्रवेश व्यवस्था पर भी ध्यान देने का आग्रह - मंच ने रेलवे से आग्रह किया कि टिकट खिड़कियों पर भीड़ की स्थिति को देखते हुए आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त अथवा वैकल्पिक टिकट व्यवस्था उपलब्ध कराने पर विचार किया जाए। स्टेशन परिसर में प्रवेश व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने तथा यात्रियों को निर्धारित मार्ग से आवागमन की जानकारी देने के लिए पर्याप्त संकेतक एवं सूचना बोर्ड लगाए जाने से भी सुविधा मिल सकती है।

बुजुर्ग, महिला, बच्चे एवं दिव्यांग यात्रियों को प्राथमिकता-मंच के अनुसार बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों एवं दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सहायता एवं मार्गदर्शन व्यवस्था उपयोगी रहेगी। ऐसे यात्रियों के लिए सहायता काउंटर, मार्गदर्शन कर्मी अथवा आवश्यकता के अनुसार प्राथमिकता आधारित आवागमन की सुविधा उपलब्ध होने से भीड़ के बीच उन्हें परेशानी कम होगी।

उद्घोषणा और यात्री मार्गदर्शन जरूरी- मंच ने कहा कि भीड़ अधिक होने के दौरान लगातार एवं स्पष्ट उद्घोषणा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यात्रियों को प्रवेश, निकास, प्लेटफॉर्म, ट्रेन की स्थिति एवं निर्धारित मार्ग की जानकारी समय-समय पर उद्घोषणा के माध्यम से दी जाती रहे। आवश्यकता होने पर अतिरिक्त सूचना बोर्ड एवं मार्गदर्शन व्यवस्था भी बढ़ाई जा सकती है।

यात्रियों को सामान की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का सुझाव- सावन में बड़ी संख्या में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए यात्रियों को अपने मोबाइल, पर्स, आभूषण एवं अन्य सामान की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए समय-समय पर उद्घोषणा एवं सूचना बोर्ड के माध्यम से अपील की जा सकती है। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल सुरक्षा कर्मियों को देने के लिए यात्रियों को प्रेरित किया जाना भी उपयोगी रहेगा।

मंच ने कहा कि भीड़ प्रबंधन का उद्देश्य यात्रियों को असुविधा पहुंचाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुविधाजनक तरीके से उनके गंतव्य तक पहुंचाने में सहयोग करना होना चाहिए। रेलवे, आरपीएफ, जीआरपी, स्थानीय प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से भीड़ के समय व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है।

मंच के सदस्यों ने रेलवे से किया आग्रह- इस संबंध में यात्री विकास एवं सुझाव मंच के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा, अध्यक्ष नितीन जैन, सचिव रवि चौहान, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, उपाध्यक्ष सुमेरसिंह सिसोदिया, राजा कर्नावट,शंकर प्रजापत, परामर्शदाता कैलाश सनोलिया एवं पंकज मारू, संयोजक चेतन यादव, सुनील त्रिवेदी एवं भवानीसिंह देवड़ा, मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन, पीआरओ गौतम लश्करी तथा समन्वय सदस्य सीएम अतुल, निलेश सोलंकी जैन, प्रमोद कोठारी, हिमांशु वासु ओझा, दिनेश सोलंकी, दिनेश सेठिया, अर्जुन राजेरिया, प्रकाश मालपानी, डॉ. सी.एन. शुक्ला एवं भूपेन्द्र चौहान ने रेलवे से आग्रह किया कि सावन के दौरान यात्री संख्या में होने वाली वृद्धि को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध व्यवस्थाओं को आवश्यकता के अनुसार और मजबूत किया जाए।

मंच के सदस्यों ने कहा कि रेलवे द्वारा यात्री सुविधा एवं भीड़ प्रबंधन के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उनके सुझावों का उद्देश्य व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी बताना नहीं, बल्कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था को और बेहतर बनाने में सहयोग करना है।

उज्जैन की सकारात्मक छवि को मिलेगा लाभ- मंच ने कहा कि उज्जैन देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। सावन-भादौ जैसे अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेलवे के माध्यम से उज्जैन पहुंचते हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशन पर सुव्यवस्थित यात्री व्यवस्था न केवल सुरक्षा एवं सुविधा को बेहतर बनाएगी, बल्कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के बीच उज्जैन की सकारात्मक छवि को भी और मजबूत करेगी।

यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने दोहराया कि यात्री सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम आवागमन उसकी प्राथमिकता है। मंच भविष्य में भी यात्रियों से जुड़े विषयों पर सकारात्मक एवं रचनात्मक सुझाव संबंधित विभागों तक पहुंचाने का प्रयास करता रहेगा, ताकि सामूहिक प्रयासों से यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

शिव तांडव स्त्रोत में रमे पिता- पुत्र: ऐतिहासिक पैदल कावड़ यात्रा में झूमें विधायक और उनके बेट

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला नीमच अंतर्गत मंदिरों की नगरी कहे जाने वाले मनासा में रविवार को धर्म, आस्था और संस्कृति का एक अनूठा संगम देखने को मिला क्षेत्र की खुशहाली, सुख-समृद्धि और मूसलाधार अच्छी वर्षा की कामना को लेकर मनासा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अनिरुद्ध माधव मारू के मार्गदर्शन में एक भव्य और विशाल प्रथम पैदल कावड़ यात्रा निकाली गई विधायक पुत्र डॉ. सर्वेश मारू मित्र मंडल मनासा के तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक यात्रा ने पूरे क्षेत्र को शिवमय बना दिया श्री सोमनाथ महादेव से शुरू हुई यात्रा, नीलकंठ महादेव पर हुआ जलाभिषेक हुआ उसके पश्चात सभी भक्तों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया यात्रा की शुरुआत ऐतिहासिक श्री सोमनाथ महादेव मंदिर से पूरी धार्मिक विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ हुईकावड़िए हाथों में पवित्र कावड़ थामे, बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे पैदल यात्रा श्री सोमनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई श्री नीलकंठ महादेव मंदिर पहुंची जहांविधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया और क्षेत्र में अच्छी वर्षा व खुशहाली के लिए विशेष प्रार्थना की गई उमड़ी भारी भीड़ः महिला, पुरुष और युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा इस प्रथम कावड़ यात्रा को लेकर मनासा क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में भारी उत्साह देखा गया यात्रा में हजारों की संख्या में शिवभक्त भगवा वस्त्र धारण कर शामिल हुए डीजे की धुन पर गूंजते शिव भजनों और डमरूओं की थाप पर थिरकते युवाओं ने पूरे वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। मातृशक्ति (महिलाओं) की उपस्थिति ने इस धार्मिक आयोजन में चार चांद लगा दिए मंदिरों की नगरी मनासा में हुआ भव्य स्वागत कावड़ यात्रा का मार्ग में जगह-जगह जोरदार और भव्य स्वागत किया गया शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और नागरिकों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कावड़ यात्रा का स्वागत किया।

बेटमा क्षेत्र में कथित अवैध एवं गहरे खनन को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटमा, देपालपुर, सेजवानी,दौलताबाद रंगवासा एवं आसपास के क्षेत्रों में कथित अनियमित एवं अत्यधिक गहरे खनन, किसानों की निजी भूमि की सीमाओं के उल्लंघन, रॉयल्टी एवं लीज संबंधी अनियमितताओं तथा पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी को लेकर भारतीय किसान मजदूर सेना ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देपालपुर एसडीएम के रीडर को सौंपा।

किसान नेता बबलू जाधव ने कहा कि किसानों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए खनन क्षेत्रों का राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम से सीमांकन कराया जाए तथा स्वीकृत सीमा, गहराई, रॉयल्टी, खनिज परिवहन और पर्यावरणीय अनुमति की निष्पक्ष जांच हो।

उन्होंने कहा कि यदि जांच में अवैध खनन या किसानों की भूमि में अतिक्रमण प्रमाणित होता है तो संबंधितों से नुकसान एवं राजस्व की वसूली कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो।

किसानों की जमीन किसी खनन संचालक की जागीर नहीं है। कानून सभी के लिए समान है और किसानों की जमीन, फसल एवं पर्यावरण की कीमत पर किसी भी प्रकार का अनियमित खनन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस अवसर पर किसान नेता बबलू जाधव, चंदन सिंह बड़वाया एवं शैलेंद्र पटेल प्रवीण कुमार जयदीप मंडलोई सहित किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रतनगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 4 किलो 100 ग्राम अफीम जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रतनगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 किलो 100 ग्राम अवैध अफीम जब्त की है। पुलिस ने मामले में राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से अफीम के साथ एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 9 अगस्त 2026 को पुलिस चौकी जाट की टीम रतनगढ़-जाट रोड पर चावण्डिया फंटे के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास से 4 किलो 100 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शांतिलाल पिता भवाना धाकड़, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम बोराव, थाना भैंसरोड़गढ़, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अफीम और मोटरसाइकिल जब्त कर ली।

पुलिस पूछताछ में अवैध मादक पदार्थ उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की जानकारी सामने आने पर पुलिस ने दूसरे आरोपी कैलाश पिता नन्दलाल धाकड़, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम बोराव, थाना भैंसरोड़गढ़, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) को भी गिरफ्तार किया।

ये सामान हुआ जब्त

4 किलो 100 ग्राम अफीम

एक काले रंग की प्लैटिना मोटरसाइकिल ऋछ्व 09 स्क्क6239 – कीमत 40,000

एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन – कीमत 10,000

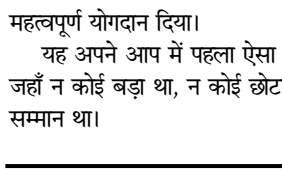

कुल जब्ती की अनुमानित कीमत 2.55 लाख

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अफीम कहां से लाई गई थी और इसे आगे किसे सप्लाई किया जाना था।

कार्रवाई में थाना प्रभारी रतनगढ़ भूरालाल भाबर, जाट चौकी प्रभारी नरेन्द्र सिंह राठौर, तथा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विरांगना कन्या संस्कार केंद्र करेगा नगर की मेधावी छात्राओं का आज सम्मान

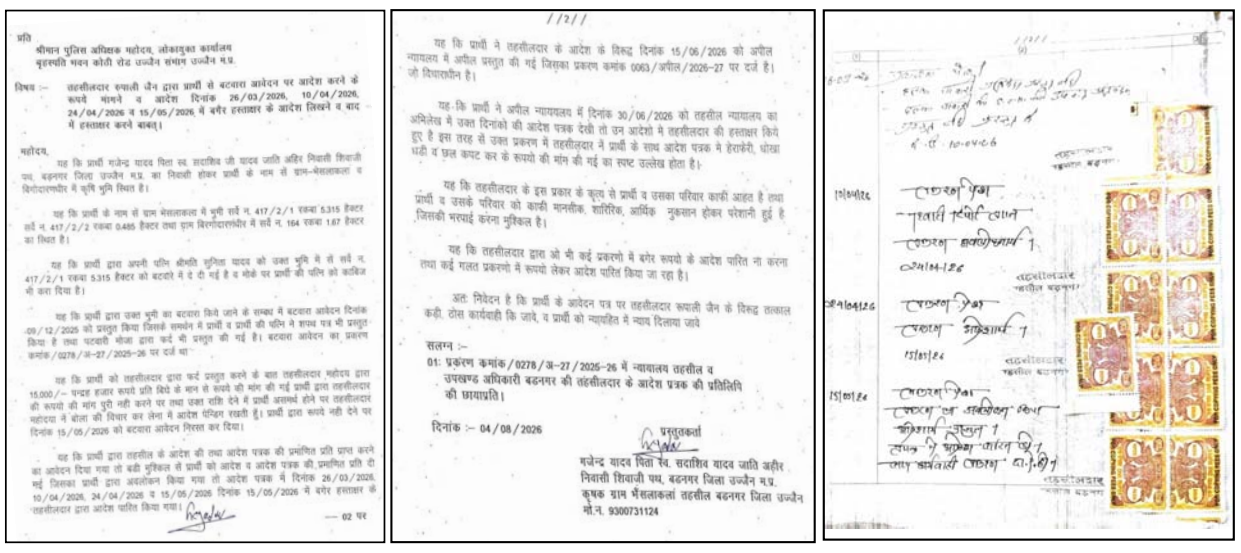

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया विरांगना कन्या संस्कार केंद्र, कुरुक्षेत्र के तत्वावधान में अकोदिया नगर के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों की मेधावी छात्राओं का सम्मान समारोह शुजालपुर डिप्टी कलेक्टर एस,डी,एम, श्रीमती अंकिता पाटकर के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अकोदिया श्रीमती रचना सचिन शर्मा की अध्यक्षता एवं तहसीलदार घनश्याम जी लोहार अकोदिया थाना प्रभारी संजय सिंह जी राजपूत सी,एम, राईज विद्यालय संस्था प्राचार्य मोहन सिंह जी चावड़ा के आतिथिय में आयोजित किया जाएगा। संस्था द्वारा वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही बालिकाओं में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्मिक शिक्षा के संवर्धन के उद्देश्य से गीता ज्ञान परीक्षा 2026 का आयोजन भी किया जा रहा है। संस्था द्वारा मेधावी छात्राओं के सम्मान के साथ कुरुक्षेत्र शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। संस्था के जिला संयोजक अनिल शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं मंगलवार को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा

आगर-मालवा जिले में अब तक औसत 497.2 मि.मी. वर्षा दर्ज

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय भू-संसाधन प्रबंधन, आगर-मालवा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में वर्तमान वर्षाकाल में 1 जून से 10 अगस्त 2026 तक औसत 497.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि तक जिले में औसत 548.9 मि.मी. वर्षा हुई थी। इस वर्ष अब तक जिले में कुल 2486.0 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक कुल 2744.5 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई थी। तहसीलवार आगर में 542 मि.मी., बड़ौद में 388 मि.मी., नलखेड़ा में 603 मि.मी., सोयतकलां में 479 मि.मी. एवं सुसनेर में 474 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। 10 अगस्त 2026 को प्रातः 8ः00 बजे तक पिछले 24 घंटे में जिले में औसत 34.9 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस दिन आगर में 10 मि.मी., बड़ौद में 36 मि.मी., नलखेड़ा में 54 मि.मी. सोयतकलां में 35 मि.मी एवं सुसनेर में 39 मि.मी वर्षा दर्ज हुई है। जिले में 10 अगस्त 2026 को प्रातः 8ः00 बजे तक कुल 174 मि.मी वर्षा दर्ज हुई है।

तहसीलदार रुपाली जैन पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप

बिना पैसे नहीं हो रहा काम, आदेशों में हेराफेरी के आरोप से मचा हड़कंप

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। तहसीलदार रुपाली जैन वैसे तो अपने कार्य प्रणाली के चलते चर्चाओं में ही रहती है लेकिन अब चर्चाओं के इस दौर में उनकी मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है, तहसीलदार जैन अपने आदेशों का स्वयं पालन न कर पाना, विगत दिनों ग्राम जलोदिया में करोड़ों की खाली पड़ी भूमि पर अवैध तरीके से कागजों में हेरा फेरी कर आनन फानन में किए गए नामांतरण का मामला अभी शांत ही नहीं हुआ था कि उनकी लापरवाही व भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है जिसमें इस बार उन पर सीधे तौर पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगा है। इस बार मामला सीधे तहसीलदार रुपाली जैन पर लगे गंभीर आरोपों से जुड़ा है, इस बार तहसीलदार के शिकार हुए अभिभाषाक व किसान गजेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि बटवारा आवेदन पर आदेश पारित करने के एवज में भारी भरकम रकम की मांग की गई। प्रार्थी गजेन्द्र यादव, निवासी बड़नगर, ने लोकायुक्त एवं वरिष्ठ अधिकारियों को की गई शिकायत में दावा किया है कि उनकी कृषि भूमि के बटवारे के आवेदन पर कार्रवाई करने के लिए कथित रूप से ?15,000 प्रति बीघा की मांग की गई। आरोप है कि रकम नहीं देने पर उनके आवेदन को जानबूझकर लंबित रखा गया और अंततः 15 मई 2026 को निरस्त कर दिया गया।

आदेश पत्रक में गड़बड़ी का बड़ा खुलासा- मामला यहीं नहीं थमा। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब उन्होंने आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त की तो पाया कि 26 मार्च, 10 अप्रैल, 24 अप्रैल और 15 मई 2026 के आदेश बिना हस्ताक्षर के दर्ज थे। लेकिन जब यही रिकॉर्ड अपील न्यायालय में देखा गया, तो उन्हीं आदेशों पर बाद में हस्ताक्षर पाए गए।

इस खुलासे ने पूरे मामले को और भी गंभीर बना दिया है, क्योंकि इससे आदेश पत्रक में कथित हेराफेरी और रिकॉर्ड में बदलाव के आरोप सामने आ रहे हैं।

पैसा दो तो काम, वरना फाइल बंद÷ ङ्क सिस्टम पर उठे सवाल- स्थानीय स्तर पर यह मामला अब चर्चा का विषय बन गया है। लोगों के बीच यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या तहसील कार्यालय में काम कराने के लिए ÷रकम÷ जरूरी शर्त बन गई है? यदि आरोप सही हैं, तो यह न केवल भ्रष्टाचार बल्कि आम नागरिक के अधिकारों के साथ सीधा खिलवाड़ है।

कड़ी कार्रवाई की मांग- शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, यह भी आरोप लगाया गया है कि अन्य प्रकरणों में भी बिना कथित लेन-देन के आदेश पारित नहीं किए जा रहे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह मामला पूरे राजस्व विभाग के लिए बड़ा सवाल बन सकता है।

नजरें प्रशासन पर टिकीं- फिलहाल, बड़नगर की जनता की नजरें वरिष्ठ अधिकारियों पर टिकी हैं कि क्या इस मामले में पारदर्शी जांच होगी या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

4.5 घंटे में खजुरिया से उज्जैन पहुंची डाक कांवड़, 150 बजरंगियों ने किया बाबा महाकाल का जलाभिषेक

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल बड़ावदा प्रखंड के ग्राम खजुरिया से प्रतिवर्ष की परंपरा के तहत इस वर्ष भी डाक कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में करीब 150 बजरंगियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। निर्धारित समय पर शुरू हुई यात्रा बिना रुके लगातार आगे बढ़ती रही और करीब 4 घंटे 30 मिनट में कांवड़ यात्री उज्जैन पहुंच गए। यात्रा का शुभारंभ ग्राम खजुरिया स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद भगवान शिव एवं भारत माता की आरती कर कांवड़ यात्रा को रवाना किया गया। कांवड़ यात्रियों ने बारी-बारी से कांवड़ संभाली और बिना किसी विश्राम के यात्रा को जारी रखा। सुबह 7 बजे खजुरिया से रवाना हुई डाक कांवड़ यात्रा निर्धारित गति से उज्जैन की ओर बढ़ी। यात्रा के दौरान बजरंगियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उज्जैन पहुंचने के बाद कांवड़ यात्रियों ने पवित्र क्षिप्रा नदी में स्नान किया। इसके बाद क्षिप्रा जल लेकर बाबा महाकाल के दरबार पहुंचे और भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की।

प्रशासन ने किया सहयोग - यात्रा के दौरान शासन-प्रशासन की ओर से भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। यात्रा में शामिल बजरंगियों ने अनुशासन के साथ यात्रा पूरी की। धार्मिक आस्था और राष्ट्रभक्ति के जयघोष से यात्रा मार्ग गुंजायमान रहा। यात्रा में महंत कन्हैया गिरि सहित विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में बजरंगी शामिल रहे। डाक कांवड़ यात्रा के सफलतापूर्वक उज्जैन पहुंचने के बाद सभी ने बाबा महाकाल के दर्शन कर क्षेत्र एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की।

एडीएम डॉ. श्रीवास्तव ने सोयतकलां में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में लगातार वर्षा के कारण सोयतकलां क्षेत्र में निर्मित जलभराव की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव ने आपदा प्रबंधन टीम के साथ जल भराव क्षेत्र में घरों का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अस्थाई राहत शिविर स्थल का अवलोकन कर वहां आपदा प्रभावितों के लिए आवासीय, भोजन, नाश्ता एवं आश्रय की व्यवस्थाओं का भी मौके पर निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम श्रीमती देवकुंवर सोलंकी, एसडीओपी श्री देवनारायण यादव, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्पिता राय सहित अन्य अधिकारी व आपदा प्रबंधन टीम के सदस्य उपस्थित थे। दौरान एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव ने प्रभावित परिवारों से चर्चा कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने हेतु समझाइश दी। साथ ही राहत शिविरों में भोजन एवं रुकने की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा जिले में अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम पर प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई कर, राहत एवं बचाव के कार्य किए जा रहे है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

बड़े गांव देपालपुर में विनोद मानसिग दरबार के नेतृत्व मे अखिल भारतीय क्षत्रिय कलौता समाज की महापंचायत

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद दरबार के नेतृत्व में अखिल भारतीय क्षत्रिय कलोता समाज की महापंचायत एक सफलतम एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम रहा। सम्मानित समाजबंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यह अपने आप में पहला ऐसा अनूठा कार्यक्रम था, जहाँ न कोई बड़ा था, न कोई छोटा–सबका एक समान सम्मान था।

न कोई विशिष्ट अतिथि, न कोई विशेष अतिथि–हर समाजबंधु को एक ही जाजम पर बैठाया गया। न कोई दिखावा, न कोई औपचारिक स्वागत–सिर्फ समाज और समाजहित सर्वोपरि था।

सबको अपनी बात रखने का अधिकार मिला। एवं संचालन हरिराम सोलंकी जी ने किया एवं आभार शंकर लाल सरपंच डाबरी ने किया एवं सभी ने खुलकर अपने विचार रखे और समाजबंधुओं ने उन्हें गंभीरता एवं ध्यानपूर्वक सुना। भारी भीड़ और समाज की एकजुटता ने हर समाजबंधु के चेहरे पर खुशी और उत्साह ला दिया।

दबंग, निर्भीक और बेबाक वक्ताओं ने बिना किसी संकोच के अपनी बात रखी और जमकर तालियां बटोरीं।

महापंचायत में उमड़ा जनसैलाब देखकर एक बात स्पष्ट हो गई- समाज अब सचमुच जाग चुकी है।

समाज ने गलत और मनमानी का विरोध करना सीख लिया है। अब समाज अपने अधिकारों और सम्मान के लिए खुलकर आवाज उठाने लगी है।

जो लोग अब तक यह समझते थे कि ÷हमने जो कर दिया, वही अंतिम है महापंचायत में उमड़े समाजबंधुओं के विशाल जनसमूह ने स्पष्ट संदेश दे दिया है की अब समाज जो तय करेगी, वही अंतिम होगा। इस महापंचायत से समाज में एक नई दिशा एवं दशा प्रदान होगी।

बरसते पानी में निकली बाबा महाकाल की दूसरी सवारी, जयकारों से गूंजा शहर

चांदी की पालकी में चंद्रमौलेश्वर और हाथी पर मनमहेश स्वरूप में दिए दर्शन- बारिश में भी श्रद्धालुओं का उत्साह रहा कायम

उज्जैन/मालवा हेराल्ड। दैनिक श्रावण मास की दूसरी सवारी सोमवार को बरसते पानी के बीच शाही ठाठ-बाट के साथ निकली। बारिश की फुहारों के बीच बाबा महाकाल के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। महाकाल मंदिर से निकली सवारी में भगवान चंद्रमौलेश्वर चांदी की पालकी में और मनमहेश स्वरूप में हाथी पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले।

सवारी मार्ग पर हर ओर बाबा महाकाल के जयकारे गूंजते रहे। रविवार रात से हो रही लगातार- बारिश के बावजूद श्रद्धालु सवारी के स्वागत और बाबा महाकाल के दर्शन के लिए मार्ग पर डटे रहे। कई श्रद्धालु छाता लेकर तो कई बारिश में भीगते हुए सवारी के दर्शन करते नजर आए। जैसे ही बाबा महाकाल का रथ और पालकी सामने पहुंची, भक्तों ने हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

पांच किमी मार्ग पर दिखी देशभर की लोक संस्कृति- करीब पांच किलोमीटर लंबे सवारी मार्ग पर इस बार धार्मिक आस्था के साथ देशभर की लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। विभिन्न राज्यों से आए लोक कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। बारिश के बीच भी कलाकारों का उत्साह कम नहीं हुआ और सवारी मार्ग पर लोकनृत्यों की धूम रही।

पिछली सवारी की कमियों से लिया सबक, सुरक्षा पर रहा जोर- पिछली सवारी में भारी भीड़ के कारण कई स्थानों पर व्यवस्थाएं प्रभावित हुई थीं। कुछ पुजारियों के घायल होने के बाद मंदिर समिति और प्रशासन ने दूसरी सवारी के लिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया था। इस बार सवारी मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा और श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने लगातार निगरानी रखी।

हाथी को लेकर रेस्क्यू टीम भी रही मुस्तैद- भगवान महाकाल के मनमहेश स्वरूप के साथ शामिल हाथी से श्रद्धालुओं को सुरक्षित दूरी पर रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। इसके लिए पुलिस लाइन में रेस्क्यू टीम का अभ्यास कराया गया था। सवारी के दौरान टीम को तैनात रखा गया, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। बारिश के बीच भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने सवारी के उत्साह को कम नहीं होने दिया। भक्ति, बारिश और लोक संस्कृति के रंग में रंगी दूसरी सवारी ने उज्जैन में श्रावण की आस्था का अलग ही नजारा प्रस्तुत किया।

बुजुर्गों की पेंशन अटकी, किसी की पेंशन बंद तो किसी के दस्तावेजों की हो रही जांच

उज्जैन में 19 हजार से ज्यादा वृद्ध पेंशन हितग्राही-कई महीनो से नहीं आ रही राशि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम से मिलने वाली वृद्धावस्था पेंशन के लिए इन दिनों बुजुर्गों को झोन कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से नगर निगम मुख्यालय और झोनल कार्यालयों में सुबह से ही वृद्धजनों की भीड़ दिखाई दे रही है। कई हितग्राहियों की पेंशन अचानक बंद हो गई है, जबकि कुछ लोग यह पता करने पहुंच रहे हैं कि उनकी पेंशन क्यों रोकी गई। निगम द्वारा अब पेंशन हितग्राहियों की केवाईसी और दस्तावेजों की जांच कराई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद पात्र हितग्राहियों की पेंशन दोबारा शुरू की जाएगी।

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक निगम सीमा के 54 वार्डों में करीब 19 हजार से अधिक वृद्धावस्था पेंशन हितग्राही हैं। शासन की ओर से निगम के माध्यम से पात्र बुजुर्गों को प्रतिमाह 600 रुपए की पेंशन दी जाती है। पेंशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद अब हितग्राहियों की जानकारी दोबारा जांची जा रही है।

कहीं पेंशन बंद, कहीं केवाईसी के लिए कतार- जांच के दौरान कई प्रकरणों में पेंशन फिलहाल रोक दी गई है। ऐसे हितग्राहियों को केवाईसी कराने के लिए संबंधित झोन कार्यालय पहुंचना पड़ रहा है। सुबह से ही बुजुर्ग दस्तावेज लेकर कार्यालयों में पहुंच रहे हैं। कई मामलों में अधिकारी दस्तावेजों का मिलान कर जानकारी तय प्रारूप में तैयार कर रहे हैं।

अच्छे परिवारों के बुजुर्गों के पेंशन लेने की शिकायतें- निगम अधिकारियों के अनुसार पूर्व में ऐसी शिकायतें सामने आई थीं कि पात्रता नहीं होने के बावजूद कुछ परिवारों के बुजुर्ग पेंशन का लाभ ले रहे हैं। कुछ मामलों में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद जांच भी शुरू की गई थी। इसी के चलते अब सभी हितग्राहियों की केवाईसी और पात्रता की पड़ताल की जा रही है, ताकि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद बुजुर्गों तक ही पहुंच सके।

झोन से मुख्यालय भेजी जा रही जानकारी- नगर निगम के सभी झोन कार्यालयों से वृद्ध पेंशन हितग्राहियों की जानकारी तय प्रारूप में तैयार कर मुख्यालय भेजी जा रही है। साथ ही मौके पर ही केवाईसी की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच और केवाईसी पूरी होने के बाद पात्र हितग्राहियों की पेंशन फिर से शुरू करने की कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्ग बोले- पेंशन ही सहारा, बार-बार चक्कर लगाना मुश्किल- पेंशन बंद होने के बाद कई बुजुर्गों का कहना है कि 600 रुपए की राशि उनके लिए छोटी जरूर है, लेकिन दवाइयों और रोजमर्रा की जरूरतों में इसका सहारा मिलता है। उम्र अधिक होने के कारण बार-बार झोन कार्यालय के चक्कर लगाना भी परेशानी भरा है। ऐसे में बुजुर्ग चाहते हैं कि केवाईसी की प्रक्रिया जल्द पूरी कर पात्र हितग्राहियों की पेंशन दोबारा शुरू की जाए।

जनसेवा प्रहरी बने जीवन रक्षक, सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को समय पर पहुंचाया अस्पताल

बारिश और अंधेरे के बीच घायल की मदद के लिए आगे आए प्रशिक्षित जनसेवा प्रहरी श्री सोलंकी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उज्जैन जिले के जनसेवा प्रहरी श्री राहुल सोलंकी ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीईओ जनपद पंचायत उज?जैन श्री संदीप यादव ने उक?त जानकारी देते हुए बताया कि घटना विगत 6 अगस्त, गुरुवार की शाम आगर रोड स्थित महिंद्रा शोरूम के आसपास की है। बारिश के कारण सड़क किनारे पानी भरा हुआ था और अंधेरा भी था। इसी दौरान एक व्यक्ति बाइक सहित डिवाइडर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान शाकिरउद्दीन, निवासी भेरूगढ़, गणेश नगर, उज्जैन के रूप में हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही डाबला रहवारी निवासी एवं सहायक सचिव श्री राहुल सोलंकी तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों की सहायता से घायल को सुरक्षित बाहर निकाला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने एम्बुलेंस का इंतजार करने के बजाय स्वयं घायल को तत्काल चरक अस्पताल पहुंचाया।

सिर में गंभीर चोट, समय पर मिला उपचार -चरक अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के दौरान घायल के सिर में गंभीर चोट पाई गई। सिर के एक हिस्से में गहरा घाव था तथा काफी रक्तस्राव हो रहा था। चिकित्सकों ने प्रारंभिक उपचार प्रदान करने के बाद बेहतर उपचार के लिए घायल को रूद्ध अस्पताल, इंदौर रेफर किया। परिजनों के अनुसार घायल शाकिरउद्दीन का वर्तमान में रूद्ध अस्पताल, इंदौर में उपचार जारी है और उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई गई है।

प्रशिक्षण को सेवा में बदला, संकट की घड़ी में बने सहारा- जिला प्रशासन द्वारा जनसेवा प्रहरी के रूप में प्रशिक्षित श्री राहुल सोलंकी ने दुर्घटना के समय अपनी जिम्मेदारी और प्रशिक्षण का प्रभावी उपयोग किया। उन्होंने बिना समय गंवाए घायल की मदद की और उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की पहल की।

उनकी तत्परता, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के कारण घायल को दुर्घटना के तुरंत बाद चिकित्सा सुविधा मिल सकी।

श्री राहुल सोलंकी की यह पहल जनसेवा प्रहरी अभियान की भावना को साकार करती है–संकट के समय संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ना और जरूरतमंद व्यक्ति की मदद कर जीवन रक्षा में सहभागी बनना।

उज्जैन में बाढ़ नियंत्रण कक्ष सक्रि15 जून से 15 अक्टूबर तक 24 घंटे सेवाएं उपलब्ध

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा काल में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण तथा जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। म.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग म.प्र. शासन भोपाल के पत्र क्रमांक 510/सी.बी.25/एमपीएसडीएमए/2025 भोपाल दिनांक 23 मई 2025 के पालन में जारी संशोधित आदेश के अनुसार यह कक्ष सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन में कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख जिला उज्जैन के कक्ष में स्थापित किया गया है।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक 0734-2513512 है। यह कक्ष दिनांक 15 जून 2026 से प्रतिदिन 24 घंटे क्रियाशील रहेगा तथा 15 अक्टूबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना मिलने पर उपलब्ध सूचना पंजी में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। कक्ष की प्रभारी श्रीमती वर्षा भाटी, नायब तहसीलदार (भू-संसाधन, प्रबंधन) उज्जैन हैं। सम्पूर्ण जिले में नोडल अधिकारी एवं समन्वयक के रूप में श्री संतोष कुमार जाट, डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट होमगार्ड, उज्जैन (दूरभाष 74404233301) कार्य करेंगे।

माह अगस्त, सितम्बर एवं अक्टूबर 2026 के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर निर्धारित की गई है। कर्मचारियों को तीन पालियों में ड्यूटी सौंपी गई है–प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक, दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक तथा रात्रि 11 बजे से प्रातः 7 बजे तक। संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि ड्यूटी में लगाए गए अधिकारी/कर्मचारी/भृत्य को तत्काल भारमुक्त कर बाढ़ कंट्रोल रूम में उपस्थित होने हेतु पाबंद करें। सेवानिवृत्ति, स्थानांतरण या अवकाश की स्थिति में वैकल्पिक कर्मचारी की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए।

धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सालय में 14 अगस्त को होगा स्वर्णप्राशन कार्यक्रम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. ओ.पी. व्यास ने बताया कि चिकित्सालय के शिशु एवं बालरोग विभाग के अंतर्गत आयोजित होने वाला स्वर्णप्राशन कार्यक्रम अब 11 अगस्त के स्थान पर 14 अगस्त 2026, शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जन्म से लेकर 10 वर्ष तक की आयु के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाएगा। बाल रोग चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. गीता जाटव ने बताया कि आयुर्वेद में स्वर्णप्राशन को बच्चों के बुद्धि एवं बलवर्धन तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को स्वर्णप्राशन कराने का आग्रह किया। कार्यक्रम में प्रत्येक बालक/बालिका के लिए पंजीयन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। आयुर्वेद के ग्रंथों में बच्चों के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए स्वर्णप्राशन के महत्व का उल्लेख मिलता है। चिकित्सालय प्रबंधन ने अभिभावकों से कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

श्रम न्यायालय को एक प्रकरण अधिनिर्णय के लिए सौंपा गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमायुक्त कार्यालय इंदौर के उप श्रमायुक्त द्वारा आवेदक सेवा नियुक्त श्री समद खान पिता श्री जुबेर खान एवं आयुक्त नगर पालिका निगम के मध्य औद्योगिक विवाद को श्रम न्यायालय उज्जैन को अधिनिर्णय के लिए सौंपा गया है।

कालभैरव के दरबार में उमड़े आस्थावान... वीआईपी दर्शन बंद

भीड़ संभालने के लिए बनाया नया जिगजैग- रोज 1 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच रहे मंदिर- अब कतार में ही होंगे दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास में भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। महाकाल मंदिर के साथ ही कालभैरव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंच रही है। स्थिति यह है कि प्रतिदिन दो लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान कालभैरव के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। आम श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसलिए वीआईपी प्रोटोकॉल दर्शन फिलहाल बंद कर दिए गए हैं।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर के वीआईपी प्रोटोकॉल द्वार के सामने मैदान में अतिक्रमण हटाकर नया जिगजैग बनाया गया है। इसके लिए मंदिर को दान में मिले बैरिकेड का उपयोग किया गया है। अब श्रद्धालुओं को इसी जिगजैग के रास्ते कतारबद्ध तरीके से मुख्य द्वार तक पहुंचाया जा रहा है। इसके बाद भक्त मंदिर में प्रवेश कर भगवान कालभैरव के दर्शन कर रहे हैं।

आम भक्तों को केंद्र में रखी व्यवस्था- मंदिर प्रशासन का कहना है कि श्रावण मास में आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पूरी दर्शन व्यवस्था आम श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाई गई है। वीआईपी और प्रोटोकॉल दर्शन बंद करने का उद्देश्य भीड़ के बीच आम भक्तों को सुगम और व्यवस्थित दर्शन कराना है।

भीड़ बढ़ी तो बदला पूरा प्लान- श्रावण शुरू होते ही कालभैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी बाबा कालभैरव के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में मंदिर के सामने भीड़ का दबाव बढ़ने लगा था। इसे देखते हुए मंदिर प्रशासन ने तत्काल व्यवस्था में बदलाव किया और प्रोटोकॉल गेट के सामने जिगजैग बनाकर श्रद्धालुओं की कतार को व्यवस्थित किया।

कतार से प्रवेश, भीड़ को रोकने की कोशिश- नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं को सीधे मुख्य द्वार की ओर जाने के बजाय जिगजैग कतार में प्रवेश दिया जा रहा है। इससे एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के मंदिर के प्रवेश क्षेत्र में पहुंचने की स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा। मंदिर प्रशासन का पूरा जोर भीड़ को एक दिशा में आगे बढ़ाने और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर है। मंदिर प्रशासक संध्या मार्कण्डेय के अनुसार, श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कालभैरव मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए गए हैं।पटवारी महेश देपन ने बताया कि भीड़ नियंत्रण के लिए प्रोटोकॉल द्वार के सामने मैदान से अतिक्रमण हटाकर दान में प्राप्त बैरिकेड से जिगजैग तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं को इसी कतार के माध्यम से मुख्य द्वार तक ले जाकर दर्शन कराए जा रहे हैं।

चेक डेम जीर्णोद्धार से ग्राम डाबरी में जल संरक्षण क्षमता बढ़ी, किसानों को मिला सीधा लाभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत खचरौद की ग्राम पंचायत डाबरी में वर्षों से गाद जमा होने के कारण चेक डेम की जल संग्रहण क्षमता लगातार कम हो रही थी। बारिश का पर्याप्त पानी संग्रहित नहीं हो पाने से आसपास के किसानों को सिंचाई के लिए पानी की कमी का सामना करना पड़ता था। ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों की सक्रिय जनभागीदारी से चेक डेम की गाद निकासी एवं साफ-सफाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस कार्य में ग्रामीणों ने श्रमदान के साथ भरपूर सहयोग दिया। गाद निकासी के बाद चेक डेम की जल धारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे अब वर्षा जल का अधिक मात्रा में संरक्षण संभव हो सकेगा।

इस कार्य का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिला है। जल संरक्षण बढ़ने से भू-जल स्तर में सुधार हुआ है तथा आसपास के कुओं एवं हैंडपंपों में पानी की उपलब्धता भी बढ़ी है। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने से अतिरिक्त फसल लेने की संभावनाएं बढ़ी हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकेगी। चेक डेम से निकाली गई उपजाऊ गाद का किसानों ने अपने खेतों में उपयोग किया है, जिससे खेतों की मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसल उत्पादन में सुधार में भी मदद मिलेगी।

गाद निकासी के बाद चेक डेम की जल संरक्षण क्षमता लगभग 7,000 घन मीटर हो गई है। इससे आसपास के लगभग 25 किसानों को फसल सिंचाई में सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने बताया कि जनसहयोग और सामूहिक प्रयास से किया गया यह कार्य गांव के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हुआ है। इससे गांव में जल संकट की समस्या को कम करने में मदद मिली है और कम खर्च में अधिक लाभ प्राप्त हुआ है। जनभागीदारी एवं श्रमदान से ग्रामीणों में एकता और सहयोग की भावना भी मजबूत हुई है। जल संरक्षण की दिशा में किया गया यह कार्य ग्रामीण विकास का एक सफल उदाहरण बनकर सामने आया है।

बारिश में भी नहीं टूटी आस्था, महाकाल के दरबार में उमड़ा जनसैलाब

सावन के दूसरे सोमवार पर तड़के 2-30 बजे खुले कपाट-भीगते हुए कतारों में डटे रहे श्रद्धालु- रात 10 बजे शयन आरती तक जारी रहे दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सावन के दूसरे सोमवार को उज्जैन में आसमान से पानी बरसता रहा और महाकाल के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ता रहा। रविवार रात से शुरू हुई तेज बारिश ने सोमवार को शहर की रफ्तार जरूर थाम दी, लेकिन बाबा महाकाल के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। तड़के 2-30 बजे भस्म आरती के लिए कपाट खुलने के साथ ही मंदिर में भक्तों की कतारें लग गईं। बारिश में भीगते हुए हजारों श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मंदिर परिसर और आसपास का पूरा क्षेत्र जय महाकाल के जयकारों से गूंजता रहा।

सावन के पहले सोमवार को 6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए थे। दूसरे सोमवार को भी सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त उज्जैन पहुंचे। मंदिर प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए दर्शन व्यवस्था को देर रात तक जारी रखने का निर्णय लिया है। रात 10 बजे शयन आरती तक दर्शन का सिलसिला चलता रहा।

बारिश ने शहर को भिगोया, भक्तों की कतार नहीं टूटी- रविवार रात करीब 11-45 बजे शुरू हुई बारिश सोमवार दोपहर तक रुक-रुककर जारी रही। कई बार तेज बारिश हुई। इसके बावजूद महाकाल मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी नहीं आई। बारिश से बचने के लिए लोग छाते और बरसाती का सहारा लेते नजर आए, लेकिन कतार छोड़ने को तैयार नहीं हुए।

महाकाल मंदिर मार्ग पर बारिश के बीच भक्तों की लंबी कतारें दिखाई दीं। कई श्रद्धालु घंटों तक पानी में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहे।

शहर में जलभराव, कई रास्तों पर थमी रफ्तार- लगातार बारिश का असर शहर की सड़कों पर भी दिखाई दिया। नीलगंगा, गदा पुलिया, केडी गेट और चामुंडा माता मंदिर के सामने समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। चौड़ीकरण कार्य वाले प्रमुख मार्गों पर पानी भरने से वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई और कई जगह जाम जैसी स्थिति बनी। बारिश के कारण पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। मंदिर जाने वाले मार्गों पर पानी और कीचड़ के बीच श्रद्धालु आगे बढ़ते नजर आए।

शिप्रा का जलस्तर बढ़ा, छोटे पुल के ऊपर से बहा पानी- लगातार बारिश के बाद शाम तक शिप्रा नदी का जलस्तर भी बढ़ गया। नदी का पानी छोटे पुल के ऊपर से बहता नजर आया। घाटों के आसपास बने कई छोटे मंदिर पानी में आधे डूबे दिखाई दिए। नदी का बढ़ता जलस्तर देखने के लिए भी लोग घाटों की ओर पहुंचते रहे।

आस्था के आगे मौसम बेअसर- एक ओर बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की परीक्षा ली तो दूसरी ओर महाकाल भक्तों की आस्था ने मौसम को चुनौती दे दी। तेज बौछारों के बीच भी श्रद्धालु कतार में खड़े रहे। कई भक्तों ने कहा कि सावन के सोमवार पर बाबा महाकाल के दर्शन का अवसर मिलना ही सबसे बड़ा सौभाग्य है, इसलिए बारिश की परेशानी उनके उत्साह को कम नहीं कर सकती।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मध्यप्रदेश शासन

भारतवर्ष की
चौदह विद्याएं चौंसठ कलाएं
बनी आधुनिक युग की शक्ति

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रतियोगिता

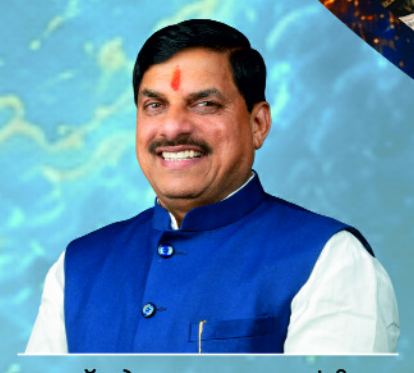

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

महर्षि सांदीपनि, श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित

छात्रवृत्ति राशि
प्रति छात्र
₹ 1, 00, 000

छात्रवृत्ति संख्या
102 विद्यार्थी (51 विद्यालय वर्ग +51 महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय)

प्रारंभ तिथि
प्रतियोगिता की प्रारंभ तिथि
11 अगस्त, 2026

चयन प्रक्रिया
विजेताओं का चयन
लॉटरी के माध्यम से

पात्रता
प्रदेश के सभी विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क

अंतिम तिथि
प्रतियोगिता की अंतिम तिथि
30 सितम्बर, 2026

वितरण
छात्रवृत्ति वितरण
मध्यप्रदेश स्थापना दिवस
1 नवम्बर, 2026

आयोजक
श्रीकृष्ण पाथेय न्यास
मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति विभाग का आयोजन

सहभागिता
स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनसंपर्क विभाग

प्रतियोगिता की अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

D11075/26